सालार जंग संग्रहालय
हैदराबाद

वार्षिक रिपोर्ट

और परीक्षित लेखा वर्ष 2018-2019 के लिए

सालार जंग संग्रहालय
हैदराबाद

विषय सूची

वार्षिक रिपोर्ट

क्रम सं.		पृष्ठ सं.
01.	संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और क्रम विकास	02
02.	संस्थापकों का इतिहास	03
03.	संग्रहालय की वर्तमान स्थिति	03
04.	दीर्घाएं, भंडार, पांडुलिपियां, उद्देश्य, क्रियाकलाप, दर्शक सुविधाएं	04-11
05.	संग्रहालय के क्रियाकलाप	12
06.	सालार जंग संग्रहालय बोर्ड और उप-समितियां	12-19
07.	वित्तीय स्थिति - एक नजर में	20
08.	गतिविधियां	
	(I) अस्थाई प्रदर्शनियां	21-23
	(II) कार्यशाला / संगोष्ठी / विशेष वार्ता / व्याख्यान	24
	(III) कार्यक्रम	25
	(IV) रसायनिक संरक्षण प्रयोगशाला	28
	(V) स्वच्छ भारत	28
09.	(i) दीर्घाओं का पुनर्गठन	29
	(ii) विस्तार 29	
	(क) पूर्वी ब्लॉक का निर्माण	29
	(ख) अमानती सामान घर भवन	29
10.	पहल और उपलब्धियां	30
	(i) ऊर्जा बचत उपाय	30
	(ii) डिजिटाईजेशन	30
11.	वार्षिक लेखा	31
12.	लेखा परीक्षा रिपोर्ट	57

सालार जंग संग्रहालय

संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और विकास

हैदराबाद का सालार जंग संग्रहालय विश्व के यूरोपीय, एशियाई और सुदूरपूर्व देशों के विभिन्न कलात्मक उपलब्धियों का भंडार है. इस संग्रहालय के बड़े भाग को नवाब मीर युसुफ अली खान के द्वारा संग्रहण किया गया, जिन्हें सालार जंग-III के रूप में जाना जाता है. इसमें कुछ दुर्लभ वस्तुएं उनके दादा नवाब मीर तुराब अली खान, सालार जंग-I से विरासत में मिली. एक मनमोहक और संग्रहालय की प्रतिष्ठित संपदाओं में से एक संगमरमर की मूर्ति "बुरकापोश रेबेका" को सालार जंग-I द्वारा रोम में सन् 1876 में खरीदा गया था. परिवार की इसी परंपरा और कलात्मक वस्तुओं की प्राप्ति करने का निजी उत्साह तीन पीढ़ियों तक जारी रहा. सालार जंग-III ने 1914 में निज़ाम के प्रधान मंत्री के पद से मुक्त होने के बाद भी जारी रहा और अपनी मृत्यु होने तक उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन संग्रह, कला व साहित्य के खज़ानें को बढ़ाने में लगा दिया. चालीस वर्षों से अधिक समय तक कीमती और दुर्लभ कलाकृतियों को संग्रह करने की उनके इसी प्यार की चेष्टा ही है, जो सालार जंग संग्रहालय में शोभायमान हैं. सालार जंग-III की मृत्यु के बाद, किसी सीधे उत्तराधिकारी के अभाव में, अमूल्य कलात्मक वस्तुओं और उनके पुस्तकालय के विस्तृत संग्रहालय को सालार जंग-III के पुश्तैनी महल में रखा गया था, नवाब के संग्रह को संग्रहालय का रूप देने के लिए श्री एम.के. वेलोदी, हैदराबाद राज्य के तत्कालीन मुख्य सिविल प्रशासक के मन में विचार उत्पन्न हुआ. उन्होंने सालार जंग-III के विभिन्न महलों में बिखरे पड़े कला-कृतियों और कुतूहल पैदा करनेवाले वस्तुओं को लेकर संग्रहालय बनाने के लिए ख्याति प्राप्त कला समीक्षक डॉ. जेम्स कजिन्स से संपर्क किया.

डॉ. कजिन्स ने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए श्री जी. वेंकटाचलम कला समीक्षक की सेवाएं ली जाए. श्री वेंकटाचलम के समक्ष विकट समस्या थी कि विशाल संग्रहण में से किसे चुनें, जो संग्रहालय के लिए संगत था. प्रस्तावित संग्रहालय का स्थान "दीवान देवड़ी" ही था, जो सालार जंग का पुश्तैनी महल था, जहां जनाब मीर युसूफ अली खान ने अपना पूरा जीवन बिताया. इस तरह से नवजात संग्रहालय का नियंत्रण और पर्यवेक्षण सालार जंग संपदा समिति के हाथ में ही रही. इसके बाद 16 दिसंबर, 1951 को उनके नाम की निरंतरता को कायम रखने की कल्पना से दीवान देवड़ी में सालार जंग संग्रहालय का उद्‌गम हुआ, जिसे भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री, पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा इसे जनता के लिए खोल दिया गया था. इस प्रकार वर्तमान सालार जंग संग्रहालय अस्तित्व में आया. यद्यपि संग्रहालय का प्रशासन वर्ष 1958 तक सालार जंग संपदा समिति के हाथों में ही था. सालार जंग के वंशज उच्च न्यायालय की 26 दिसंबर, 1958 की एक डिक्री के आधार पर वस्तुओं को भारत सरकार को दान देने के लिए एक समझौते पर उदारता से सहमत हुए. उसके बाद 1961 तक संग्रहालय का प्रशासन, भारत सरकार के अधीन रहा.

वर्ष 1961 में संसद के अधिनियम 1961 की सं.26 द्वारा सालार जंग पुस्तकालय के साथ-साथ सालार जंग संग्रहालय को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान के रूप में घोषित किया गया और इसके प्रशासन एवं अन्य संबंधित मामलों को सांविधिक निकाय को सौंपा गया है, जिसे “सालार जंग संग्रहालय बोर्ड” कहा जाता है.

भारत सरकार को संपदा सौंपते समय सालार जंग संपदा समिति द्वारा देखभाल किये गये वस्तुओं को विधिवत सूचीबद्ध किया गया. रजिस्टरों में सूचीबद्ध संग्रहण की वस्तुसूची उर्दु भाषा में लिखी गई थी, जो इसका मौलिक रिकार्ड है. वर्ष 1963 और 1964 के दौरान पूर्व रजिस्टरों के आधार पर अंग्रेज़ी में एक 109 जोडियों की वस्तुसूची - रजिस्टर तैयार किया गया, जिसमें वस्तुओं का ब्यौरे-वार विवरण, उनके नाप और उनके संबंधित चित्रों सहित दर्शाया गया है. 1976 में अंग्रेजी में एक नए रजिस्टर की जोडी बनाई गई, जिसे मास्टर लेड्‌जर्स/सामान्य आवाप्ति रजिस्टर कहा जाता है, जो वस्तुसूची रजिस्टरों का विकसित रूप है.

सालार जंग परिवार का पीढ़ियों तक की विद्वत्ता, शिक्षण और राजमर्मज्ञता के क्षेत्र में यशस्वी इतिहास रहा है और इन दुर्लभ कलाकृतियों, पांडुलिपियों तथा पुस्तकों के विशालतम संकलन में बहुत बड़ा योगदान रहा है, जिन्हें अब संग्रहालय में रखा गया है.

नवाब मीर युसुफ़ अली खान बहादूर सालार जंग - III

नवाब मीर युसुफ़ अली खान का कलाकृतियों के प्रति उत्साहवर्धक प्रेम जग जाहिर था. उनका महल ऐसे व्यक्तियों से भरा होता था, जिनके पास बेचने लायक कुछ न कुछ वस्तुएं होती थीं. इस प्रकार उनके चयन के लिए पांडुलिपियां, मुद्रित पुस्तकें, लघु चित्रकारियां, सुलेख, फलक और सभी प्रकार की कलाकृतियां उनके यहां लाई जाती थीं. भारत के विभिन्न भागों से व्यापारी उनके यहां अक्सर आया करते थे. उन्हें कला की दुर्लभ वस्तुएं लुभाती थीं. कई वर्षों तक कलाकृतियों और पुरातनकालीन वस्तुओं को संकलित करते रहे, जिन्हें वे अपने महलों के कई कक्षों में रखते थे. कलाकृतियों के प्रति उनका प्रेम उन्हें यूरोप और मध्य पूर्व की ओर ले गया. विदेशों में उनके एजेंट उन्हें विख्यात कलाकृति व्यापारियों से सूची पत्र भेजा करते थे. वे अपने महल में बैठकर उन सूची पत्रों को ध्यान से पढ़ते थे और कभी-कभी केबल द्वारा खरीददारी करते थे. उनका अंतिम परेषित माल हाथीदंत कुर्सियों का संच है, जिनके बारे में कहा जाता है कि मैसूर के टिपू सुलतान का है. यह खेद का विषय है कि, वे इन कुर्सियों को नहीं देख पाए, क्योंकि यह परेषण उनके मृत्यु के बाद प्राप्त हुआ. कलाकृतियों, पांडुलिपियों और पुस्तकों के संकलन के अलावा वे कवियों, लेखकों और कलाकारों को आश्रय देते थे. साथ ही साथ वे साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करते थे. वे अपने परिवार के सदस्यों पर लिखी गई कई पुस्तकों के प्रकाशन में सहायक बने हैं, जैसे 'शेर जंग', 'मीर आलम' / 'रियाज-ए-मुखतारिया' और 'मुराक्का-ए-दिल्ली', जो सभी उनको समर्पित हैं. उनकी अपनी आत्मकथा 'यूसुफ-ए-दक्कन' उनके जीवन काल में प्रकाशित हुई. इस प्रकार यह स्पष्ट है कि, अंतिम सालार जंग द्वारा संचित वस्तुओं में उसके उत्तराधिकारी सही संग्रहकर्ता के प्रेम और उत्साह में निरंतर बढ़ोतरी करते गए. यह चालीस वर्ष तक अर्थात 2 मार्च, 1949 को उनके देहांत तक जारी रहा. उस समय के सैन्य गवर्नर ने इस महान व्यक्ति के सम्मान में, जो एक महत्वपूर्ण कुलीन पुरुष थे और पुरातन व्यवस्था के भूतपूर्व प्रधानमंत्री थे, एक दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया. हैदराबाद आर्ट्स सोसायटी ने एक शोक सभा का आयोजन किया और संवेदना व्यक्त की. सोसायटी ने यह भी संकल्प लिया कि उनके नाम से एक संग्रहालय खोला जाए. स्वर्गीय नवाब साहिब के मित्र प्रो. हुसैन अली खान और नवाब मेहदी नवाज़ जंग बहादूर ने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना भरपूर योगदान दिया.

संग्रहालय की वर्तमान स्थिति

स्थान:

वर्तमान संग्रहालय भवन का निर्माण मूसी नदी के दक्षिणी सीमा छोर पर किया गया है, जो ऐतिहासिक चारमीनार, मक्का मस्ज़िद आदि जैसे पुराने शहर के महत्वपूर्ण स्मारकों के समीप है. पुस्तकालय और संग्रहालय की वस्तुओं को 1968 में दिवान देवड़ी से नये भवन में अंतरित किया गया. वर्तमान संग्रहालय भवन सुगम स्थल पर होने से आसानी से पहुंचा जा सकता है. यहां सभी क्षेत्रों के पर्यटकों का सतत ताता लगा रहता है. विशाल संग्रह को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान भवन के दोनों ओर दो और भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया. ये दोनों भवन मीर तुराब अली खान भवन (पश्चिमी ब्लॉक) और मीर लैक अली खान भवन (पूर्वी ब्लॉक) 2000 ई. में बनकर तैयार हुए.

विस्तार:

संग्रहालय द्वारा पश्चिमी और पूर्वी ब्लॉकों पर अतिरिक्त मंज़िलों के निर्माण का कार्य किया गया जो पूर्ण हो चुका है. इसके द्वारा 20,000 वर्ग फीट अतिरिक्त क्षेत्र उपलब्ध हुआ है, जिसमें कुछ और दीर्घाएं तैयार करने की योजना बनाई जा रही है ।

इस्लामिक कला दीर्घा: सालार जंग के संकलन से इस्लामिक कला / कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए इस्लामिक कला दीर्घा खोलने की योजना बनाई गई है । सिविल कार्य और फेब्रीकेशन कार्य पूर्ण हो चुके हैं और आंतरिक सज्जा कार्य प्रगति पर है ।

संग्रहालय संकलन: संग्रहालय में, भारतीय मूल के ही नहीं, बल्कि पाश्चात्य, मध्यपूर्व और सुदूर पूर्व मूल की कलात्मक और पुरातत्व वस्तुओं के विश्व के शानदार संग्रह हैं. इसके अलावा, बच्चों का अनुभाग, एक समृद्ध संदर्भ पुस्तकालय, वाचनालय और दुर्लभ पांडुलिपि अनुभाग है. अत: यह संग्रहालय न केवल एक शैक्षिक स्थल बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्तियों के लिए एक आनंददायी स्थान बनाता है..

दीर्घाएं :

संग्रहालय में तीन मुख्य ब्लॉकों (खंडों) में 39 दीर्घाएं हैं. भारतीय संग्रह विभिन्न राज्यों जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, जम्मू और कश्मीर तथा कांगड़ा, बशोली, जयपुर, उदयपुर, मेवाड़, हैदराबाद, गोलकोंडा, बिजापुर, कर्नूल तथा निर्मल से हैं.

पश्चिमी संग्रहों में शामिल हैं- इंग्लैंड, आयरलैंड, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, जेकॉस्लोवेकिया, और ऑस्ट्रिया.

पूर्वी देशों से वस्तुएं चीन, जापान, बर्मा, कोरिया, नेपाल, थाइलैंड, इंडोनेशिया से और मध्य पूर्व देश जैसे मिश्र (ईजिप्त), सीरिया, फारस (पर्शिया),और अरेबिया से संग्रहित की गई हैं. भारतीय कलाकृतियों में पत्थर की मूर्तियां, कांस्य मूर्तियां, लकड़ी पर नक्काशी, लघु चित्रकारी, आधुनिक चित्रकारी, हाथीदंत, संगेमरमर, वस्त्र, धातु शिल्प, पांडुलिपियां, बिदरी, अस्त्र-शस्त्र और कवच - बक्तर, उपयोगी शिल्पी बर्तन आदि शामिल हैं.

दीर्घाओं की सूची

1. **संस्थापक दीर्घा :** इस दीर्घा में सालार जंग परिवार से संबंधित चित्र और अन्य व्यक्तिगत वस्तुएं प्रदर्शित की गई है. इस दीर्घा में मीर आलम, मुनीर-उल-मुल्क-II, मोहम्मद अली खान, सालार जंग-I, सालार जंग-II और सालार जंग-III के कई अच्छे तैलचित्र प्रदर्शित किए गए हैं, जो उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं, जो दीर्घा में अतिरिक्त आकर्षण प्रदान करते हैं.

2. **दक्षिण भारतीय कांस्यवर्ण और मुद्रित वस्त्र दीर्घा:** संग्रहालय का कांस्यवर्ण संकलन पल्लव, विजयनगर, चोळ काल के हैं.

3. **भारतीय मूर्तिकला :** यद्यपि संग्रहालय में पत्थर की मूर्तियों का संकलन कम है, फिर भी उनका बहुत महत्व है क्योंकि वे भारत में प्रचलित विभिन्न मुद्राओं की विशिष्ट आकृतियों को दर्शाती हैं. ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी की बुद्ध की खड़ी हुई प्रतिमा, सर्प शय्या पर लेटे हुए शेष साई विष्णु की प्रतिमा सर्वोत्कृष्ट है. अन्य मूर्तियों में जैन मूर्तियां, गंधर्व शैली की बुद्ध की मूर्तियां और धर्म निरपेक्ष मूर्तियां हैं.

4. **दक्षिण भारत की लघु कलाएं :** भारतीय कला के इतिहास में लकड़ी पर नक्काशी का महत्वपूर्ण स्थान है. प्राचीन धर्मग्रंथों में विभिन्न प्रकार के धार्मिक वृक्षों और पौधों, जो देवी-देवताओं के प्रतिमाओं की नक्काशी के लिए प्रयोग किए जाते थे, उसके बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है. इस दीर्घा में पर्यटक लकड़ी की नक्काशी, निर्मल चित्रकारी, धातुशिल्प और हाथीदंत नक्काशी की झलक देख सकते हैं. दीर्घा का एक बड़ा भाग दक्षिण भारतीय लकड़ी की नक्काशियों से भरा है.

5. **भारतीय वस्त्र और मुगल कालीन शीशा :** संग्रहालय का वस्त्र संग्रह बहुत महत्वपूर्ण है विशालता और विविधता दर्शाता है. संग्रहालय में टाइ एवं डाइ या बांधनी वस्त्र और कुछ पटोला साड़ियों के नायाब नमूने हैं. संग्रहालय में संग्रहित कलमकारी वस्त्र, भारत की समृद्धता में से एक हैं, जो कलमकारी पेंटिंग की शैली और तकनीकी के लिए उन्नत और आंध्र प्रदेश के मुद्रण को उजागर करते हैं.

6. **हाथीदंत कलाकृतियां:** सालार जंग संग्रहालय में विश्व के विभिन्न भागों से हाथीदंत कृतियों का अच्छा संग्रहण है. हाथीदंत संग्रहण प्लास्टिक कला के माध्यम के रूप में हाथीदंत का उत्कृष्ट नमूना है. संग्रहण में हाथीदंत के मोहरें, चौसर सेट आदि एक रोचक समूह हैं.

7. **दुपट्टा रेबेक्का दीर्घा :** इस संगमरमर की मूर्ति को जी.बी.बेन्ज़ोनी द्वारा पारदर्शी दुपट्टे में तराशा गया है.

इस महान कृति को 1876 ई. में सालार जंग – I द्वारा खरीदा गया था. विश्व प्रसिद्ध शिल्पकार जी.बी.बेन्ज़ोनी ने युवा रेबेक्का को झुकावदार दुलहन के रूप में पारदर्शि दुपट्टे में तराशा है.

8. **पैदल छड़ी दीर्घा :** इस दीर्घा में सालार जंग द्वारा प्रयुक्त केन, हाथीदंत, हड्डियों आदि से बनी विभिन्न प्रकार की पदचालन छड़ियां प्रदर्शित की गई हैं.

9. **अस्त्र-शस्त्र और कवच :** सालार जंग संग्रहालय में अस्त्र-शस्त्र और कवच के संग्रहण में तलवारें, छुरा-कटार, युद्ध परशु, बरछे-भाले, अंकुश, गदा, धनुष - बाण और बारूद आदि शामिल हैं. रक्षात्मक हथियारों में विभिन्न स्थानों और लोगों के तलवार, ढाल, वक्ष प्लेट, हेलमेट और बखतर सूट आदि शामिल है. संग्रहण में मुगल शासक औरंगजेब, टिपू सुलतान, मोहम्मद शाह और बहादुर शाह जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तियों के हथियार रखे गए है.

10. **धातु शिल्प दीर्घा :** रजत, कांस्य और अन्य धातु के सीरियाई, फारसी, बरमनी, जापानी, भारतीय, रूसी तथा अंग्रेज़ी वस्तुएं इस दीर्घा में शोभायमान है.

11. **आधुनिक भारतीय चित्रकला :** संग्रहालय के संग्रहण में पचासी कलाकारों की कृतियां सजायी गयी हैं. राजा रवि वर्मा पाश्चात्य परंपरा में प्रशिक्षित हुए थे और भारतीय विषयों को समाविष्ट करते हुए भारतीय पौराणिक और शास्त्रीय विषयों पर अत्यधिक मात्रा में तैलचित्र बनाए. उनके बनाए हुए दो चित्र अर्थात केरल की खूबसूरती और स्टोलन इंटरव्यू दीर्घा की शान बने हुए हैं. बंगाली समुदाय के प्रतिनिधियों में रविन्द्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस, चुघताई, बिहारी मुखर्जी और वी.एस मारोजी प्रमुख संग्रह हैं. अबनींद्रनाथ की दो कृतियां "क्या आपने उनकी शांत कदमों की आहट सुनी है" और "संगीतकार" को इस संग्रहालय में जगह मिली हुई है. नंद लाल बोस, भारतीय चित्रकला के आधुनिक नवचेतकों में से एक हैं, बंगाल की उत्कृष्ट पेंटिंग की शोभा बढ़ाते हैं. उनकी दो महत्वपूर्ण कृतियां क्रमश: "वसंत" और "आग के चारो ओर ग्रामीण" प्रतिनिधित्व करती हैं. विख्यात चित्रकार जिन्होंने नए प्रयोग किए हैं जैसे एम.एफ.हुस्सैन, के.के.हेब्बार, एन.एस.बेंदु, पानिकर, के.एस.कुलकर्णी, पी.टी. रेड्डी, पैदि राजु और दिनकर कौशिक की चित्रकलाएं भी शोभायमान हैं.

12. **भारतीय लघु चित्रकला :** मुगल कालीन लघु चित्रकारी के कुछ मोहक उदाहरण इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं. लघु चित्रकारी के क्षेत्र में राजस्थान के रोमानी भूमि का बहुत बड़ा योगदान है. 18वीं सदी के मध्य की चित्रकारी के उत्कृष्ट समूह जैसे न्यायालय के दृश्य, राजा का जुलूस आदि पहाड़ी, बशोली कांगड़ा क्षेत्र से हैं. बहुतायत चित्रकारी दक्कन कलाम की विरासत ओर नज़ाकत को दर्शाते हैं. संग्रहालय में जैन कल्पसूत्रों में पूर्वार्द्ध के रोचक पत्ते हैं, जिसपर 14वीं और 15वीं शताब्दी की पाश्चात्य भारतीय शैली की चित्रकला है.

13. **खिलौने और गुडिया :** संग्रहालय के इस दीर्घा में खिलौने और गुडिया का बृहत संकलन मौजूद है. का बृहत संकलन मौजूद है. भारत में सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही खिलौने और गुडियों का संकलन किया जाता रहा है. विभिन्न स्थानों के खिलौनों का अपना अलग महत्व होता है. पुराने ज़माने के हमारे शिल्पकार जंगली जानवरों पक्षियों और देवी-देवताओं के मिट्टी के नमूने बनाकर बच्चों को पेश किए जाते थे.

   कोंडपल्ली, विजयवाडा के खिलौने सारे देश में और विदेशों में एक महान प्रतिष्ठा की स्थापना की है. खिलौने अमुमन पक्षियों, धार्मिक और नित्य कार्मिकों से प्रभावित होते है इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए खिलौने बहुत ही नाजुक, दुर्लभ और अभिव्यक्तिपूर्ण चेहरों एवं वास्तविकता के अनुरूप हैं

14. **फ्लोरा और फौना दीर्घा :** इस दीर्घा में चीन, जापान और अन्य युरोपीय देशों से लाए गए धातु, संगमरमर एवं चीनी मिट्टी से बने पशु और परिंदे प्रदर्शित किए गए हैं.

15. **बाल खंड :** इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए कलाकृतियों

द्वारा यहाँ आने वाले बच्चों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान किया जाता है.

इस दीर्घा में विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के पीतल की आकृतियां, चीनी मिट्टी की कलाकृतियाँ, संगीत की पेटियाँ, संगेमरमर की मूर्तियों और खिलौनों की भरमार है. जपान के गीभा खिलौने, लियोनल कॉर्पोरेशन ऑफ अमेरिका 1930 द्वारा निर्मित इंगलैंड की कार्यात्मक चलती गाड़ी का सेट और सफेद बर्फ के सात बौने प्रतिमाओं का सेट आदि इस खंड की प्रतिष्ठा को बढ़ाते है..

16. **अरबी और फारसी पांडुलिपियां :** अरबी और फारसी पांडुलिपियां संग्रहालय के महत्वपूर्ण संकलन है. सबसे प्राचीन प्रदर्शित पांडुलिपि पवित्र कुरान है, जिसे कुफिक लिपि में चर्मपत्र पर लिखा गया है और जो 9वीं शताब्दी इसवी सन् का है. इसके अलावा यहां कई पवित्र कुरान है, जो प्रदीप्त और अलंकृत कर रखे गए है तथा दीर्घा की शोभा बने हुए हैं. अन्य प्रदर्शित स्मरणीय पांडुलिपियों में फारसी के सुलतान हुसैन द्वारा लिखित उमर खय्याम की चौपाइयां और शाहजहां की चहेती बेटी राजकुमारी जहाँआरा बेगम द्वारा लिखित आत्मकथा, प्रदीप्त पवित्र कुरान, मोहम्मद-बी-अब्दुल रहमान समरकंदी (1424 ई. सं.) द्वारा लिखित फिरदौसी का शाहनामा आदि हैं.

17. **फ्रेंच अफ्रीकी दीर्घा :** इस दीर्घा में 24 कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं. एक अफ्रीकी मूंह में पैप रखकर समाचार पत्र पढते हुए दर्शाने वाली कलाकृति इस दीर्घा में आकर्षण का केंद्र है.

18. **भारतीय रजत दीर्घा :** इस दीर्घा में भारतीय मीनाकारी और प्रतिमाओं की कलाकृतियां और करीमनगर (आंध्र प्रदेश) तथा कटक (उडिसा) के फिलइग्री कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं.

19. **कालीन :** संग्रहालय के मध्य पूर्वी कला संकलन में फारसी कालीन एक महत्वपूर्ण स्थान ग्रहण किया है. इस दीर्घा में तटिल बुनाई और विभिन्न आभूषणों के पैटर्न सहित सजावट के खूबसूरत नमूने, विशेषत: फारसी के सभी महत्वपूर्ण करघा, अर्थात् काषना, बोखारा, तब्रीज, किरमान, शिराज आदि दीर्घा में प्रतिनिधित्व करते है.

20. **इजिप्तियन और साईरियन कला :** यद्यपि प्रदर्शित किए गए इजिप्त की कलाकृतियों का बड़ा भाग प्राचीन इजिप्तियन राजाओं के महत्वपूर्ण मकबरों से लिए गए मूल की केवल नकल है, इन कलाकृतियों में सज्जा सामग्री, गोटा-पट्टा कार्य और हाथीदंत नक्काशी शामिल हैं."तूतनखामेन" सिंहासन की शानदार प्रतिकृति आकर्षण का केन्द्र हैं, जो 1340 ई. पू. का है, इसका मूल रूप मिस्र के कैरो संग्रहालय में है. यद्यपि इसकी नकल 20वीं सदी में बनाई गई, इस सिंहासन को देखने से मूल सिंहासन के उत्कृष्ट कारीगरी को आसानी से जान सकते हैं. सायरियन के कलाकृतियों में मोतियों की जननी जड़ित राजसी कारीगरी के साथ एक बड़ी संख्या में सज्जा सामग्री की वस्तुएं हैं. उनमें से अधिकतम उत्कीर्ण किए हुए है.

21. **संगेमरमर दीर्घा :** संगेमरमर अर्धकीमती पत्थर है, जो प्राय: पूर्ण सफेद से विभिन्न रंगों, हीरा पन्ना से स्याह काली हरे रंगों में मिलता है. इन संग्रहों में शराब की प्याली (सादा और कीमती पत्थरों से जड़ा हुआ) प्लेट, कप, बुक स्टैंड, बेल्ट बकल, शस्त्र म्यान, फ्लाई विस्क हैंडल और हेयर पिन्स आदि हैं. संगेमरमर का अंकित पुस्तक स्टैंड "शमशुद्दिन इत्तामिश", "साहिब-ए-कुरान-ए-सानी" अंकित धनुर्धर रिंग मुगल शासक शाहजहां का शीर्षक आदि कुछ उत्कृष्ट कलाकृतियां हैं. संगेमरमर से बनी हुई फलों की चाकू और छुरा जिसमें बहुमूल्य पत्थर जड़े हैं, क्रमश: जहांगीर और नूरजहां से संबंधित माने जाते है.

22. **बिद्री दीर्घा :** बिद्री शब्द बीदर शहर के नाम से लिया गया है, जो हैदराबाद से 120 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम में स्थित है. बिद्री कला बीदर से संबंधित नहीं है, परन्तु यह कला हैदराबाद, लखनऊ, पुणे और कश्मीर के कुछ हिस्सों में की जाती है. सामान्यत: यह डिज़ाइन चांदी के पत्रों से बनाया जाता है. काली पृष्ठभूमि पर चमकते चांदी का अभिकल्प इसको

उत्कृष्टता प्रदान करता है. इस संग्रहालय में पुराने बिद्री शिल्प कला के नमूने जैसे, हुक्का बेस, पानदान, ट्रे, सुराहियां, अफ्तबास, गुलदस्ता, आदि प्रदर्शित हैं.

23. **कश्मीर दीर्घा :** कश्मीर कक्ष में पेपर मशीन, हाथीदंत, लकडी, सिल्क और प्रलाक्षा से बनाए गए कुशल करीगरी के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं.

24. **सिक्का दीर्घा:** संग्रहालय में विभिन्न अवधियों के सिक्कों का बृहत संग्रह है, जिसमें मगध शाही, मौर्या सामराज्य, शातवाहना, विष्णुकुंडी, पश्चिमी और पूर्वी चालुक्याओं के सिक्के इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं.

इस्लामी सिक्के, दिल्ली के सुलतान जैसे खिलजी, तुगलख उनके बाद बहमनी शासन, निज़ाम शाही, बरीद शाही, मुगलों का, कुतुब शाही, आसिफजाही सिक्के भी इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं.

25. **उपयोगी शिल्पी वस्तु दीर्घा :** यहां प्रदर्शित शिल्प कलाकृतियों में उपयोगी शिल्पी वस्तुएं तथा मुरादाबाद और दक्क़नी पारंपरिक हुक्का, पानदान, पशुओं की अनोखी कलाकृतियां, आदिवासी कला के सेट इस दीर्घा में शोभायमान है.

26. **यूरोपीय फर्नीचर :** यूरोपीय कलाकृतियों के संकलन का एक और अदभुत हिस्सा है यूरोपीय सज्जा सामग्री. फ्रेंच सज्जा सामग्री में कैबिनेट, कनसोल, कुर्सियां, सोफा सेट, कमोड, रमणीय परदा, मेज आदि विविध सामग्री हैं, जो लोइस XIV (1643-1715), लोइस XV (1715-44), लोइस XVI (1774-92) और नेपोलियन-I की अवधि से संबंधित हैं और जो दीर्घा की शोभा बढ़ाते हैं.

27. **चीनी संकलन :** इस संग्रहालय के चीनी संग्रहण 12वीं से 19वीं शताब्दी के हैं. प्राचीन चीनी मिट्टी के बर्तन जो बाहरी दुनिया में पहुंचने पर निस्संदेह "सेलाडन" (काही) होते हैं, जो विशिष्ट धुंधली हरी चमकीली सामग्री है. इस सामग्री में कुछ रहस्यपूर्ण स्वभाव के गुण हैं. इस माध्यम में प्रदर्शित किए गए सामग्रियों में रोगन और जड़ाऊ चिलमन, रोगन बक्से, तराशे हुए बोतल, गुलदान और सज्जा सामग्री आदि शामिल हैं. संग्रहालय में हाथी दांत पर हाथ से की गयी कारीगरी और कुशल नक्काशी देखते ही बनती है. हाथी दंत के संग्रहण में नक्काशी के अदभूत संग्रह 18वीं से 19वीं शताब्दी के हैं.

28. **सुदूर पूर्वी चीनी मिट्टी के बर्तन दीर्घा :** इस दीर्घा में 12वीं से 19वीं शताब्दी के चीन में बने चीनी मिट्टी के बर्तन, 17वीं से 19वीं शताब्दी के जापान में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित किए गए है.

29. **जपानीज़ कला :** यद्यपि जपानीज़ कला इतिहास और संस्कृति के क्षेत्र में चीन के नैसर्गिक उपसिद्धांतवादी के रूप में उभरा है, उसने संस्कृति और कला के क्षेत्र में स्वत: अपनी पहचान बनाया है. संग्रहालय के संकलन में प्राचीन वस्तुओं में सफेद और नीले चीनी मिट्टी के बर्तन हैं, जो 17वीं सदी के है. संग्रहालय में प्रख्यात सतसूमा सामग्री है, जिसमें विभिन्न आकारों के गुलदान, बोऊल और प्लेट तथा चाय के सेट्स का प्रचुर संकलन है. संग्रहालय में समुराय तलवार है, जिस पर हाथी दांत के मूठ लगे हुए हैं, जो कटना (बड़ा तलवार) और वाकिजास (छोटी तलवार) दोनों का प्रतिनिधित्व करता है और इनमें एक बड़े तलवार के म्यान में फिट की हुई कोडज़ाका (मिसाईल के रूप में प्रयुक्त की जाने वाली छोटी छूरी) भी है.

30. **सुदूरपूर्वी मूर्ति कला :** इस दीर्घा में नेपाल और तिब्बत जैसे देशों से शिल्पकारी कलाओं से रोचक चित्रों को प्रदर्शित करता है, इन देशों को विश्व के श्रेष्ठ देशों के रूप में माना जाता है .यहां पर मूर्तिकला विशिष्ट तीन माध्यमों से जैसे - कांस्य, धातु और लकड़ी के होने पर है. इस दीर्घा में अधिकतम कलात्मक वस्तुएं बौद्ध शिल्पकारी से संबंधित है, जो बौद्ध मत का प्रभाव भारत जैसे भूखंड से फैलकर भारतीय उपमहाद्वीप जैसे चीन और जापान भू-भागों में भी फैला हुआ है. बौद्ध मूर्तिकला के अलावा इस दीर्घा में जापान के समुराई सैनिकों के मूर्तियां भी अत्यंत रोचक रूप से प्रदर्शित हैं.

31 और 32. **सुदूर पूर्वी लकड़ी के नक्काशिदार फर्नीचर :** 17वीं से 20वीं शताब्दी के चीन,जापान और बर्मा में बने लकड़ी की नक्काशी का बृहत संकलन यहां प्रदर्शित है.

33. यूरोपीय पेंटिंग : यूरोपियन संकलन में तैल और जल चित्रकारी का महत्वपूर्ण स्थान है. वे जनता की रुचि और उस काल के कलात्मक अभिव्यक्ति को भी दर्शाता है. संग्रहालय में प्रदर्शित चित्रों में केनालेट्टो, हयेज, ब्लास, मार्क, अलडाइन, डिजियानी, माटिन और कुछ कम विख्यात चित्रकारों के कार्य शामिल हैं. सालार जंग संग्रहालय में प्रदर्शित केनालेट्टो का तैल चित्र पियाज़्ज़ा सब मारको एक मनमोहक कृति है, जिसमें सुंदर संरचना, मोहक रूप, रमणीय प्राकृतिक दृश्य और उत्कृष्ट परिदृश्य सम्मिलित है. हयेज़ की सुंदर कृति साबुन के बुलबुले, जिसमें एक लड़का बुलबुले छोड़ रहा है जो हवा में तैर रहे है, पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है.

34. यूरोपीय शीशा : संग्रहालय में वेनीस, फ्रांस, इंग्लैंड, अमेरिका, बोहेमिया, बेलजियम, तुर्किश और चेकोस्लोवाकिया से लाए गए शीशे के कई उत्कृष्ट नमूने देखने मिलते हैं. वेनीस में बनी हुई शीशे की कलाकृतियां संकलन में विशिष्ट स्थान रखते हैं. बोहेमियन शीशे की निथरनी और कटोरों पर बरोक शैली में एकांथस, फूल, बेलबूटियों की नक्काशी कटाई और एनामेल किया गया है.

35. फ्रेंच दीर्घा : इसमें बारूके, रोक्कोको, फ्रांस और ओरमोलु के नियो शास्त्रीय शैली में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित है.

36. यूरोपीय घड़ियां : सालार जंग संग्रहालय में फ्रांस, इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, हॉलैंड आदि विभिन्न यूरोपीय देशों की घड़ियों का प्रचुर मात्रा में संकलन है. इनमें चिड़िया का पिंजरा घड़ी, ब्रेकेट घडी, दादा घड़ी, कंकाल घड़ी आदि शामिल है. संग्रहालय में लुईस XV, लुईस XVI और फ्रांस के नेपोलियन-I काल की घड़ियां इसके कुछ उदाहरण भी है. यहाँ की सबसे महत्वपूर्ण घडी जो अत्यधिक संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करती है, वह है ब्रिटिश ब्रैकेट घड़ी. इसमें एक यांत्रिक उपकरण है जिसके जरिए एक छोटा खिलौना हर घंटे पर पिंजरे से बाहर निकल कर घंटी बजाता है और वापस पिंजरे के अंदर चला जाता है.

37. यूरोपीय चीनी मिट्टी के बर्तन : संग्रहालय में ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के बर्तनों का बहुत बड़ा संकलन है, जो सेवरेस संचयन के बाद आता है. ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के संकलन का उत्कृष्ट नमूना है बकरे पर सवार एक दर्जी और उनकी पत्नी का चित्र. अंग्रेजी चीनी मिट्टी की कलाकृतियां विभिन्न प्रकार की है, जो ज्यादातर 19वीं सदी में बनाई गई हैं. उत्कृष्ट नमूनों में से प्याली, तश्तरी, प्लेट, कलश, गर्म पानी प्लेट, लघु मूर्तियां आदि शामिल हैं. इस संग्रहण में वरसेस्टर, चेलसिया, डर्बी, कोलपोर्ट, स्पेड, मैनचिस्टर, मिनटन, वेजवूड आदि फैक्टरियों के नमूने भी शामिल हैं.

38. यूरोपीय कांस्य : संग्रहालय में रखे गए यूरोपीय कांस्य की कलाकृतियों में कुछ प्रसिद्ध शिल्पकारों की मूल कृतियों के साथ-साथ नकल भी संग्रहित है, जो काफी विख्यात हैं. यह माध्यम पश्चिम में लोकप्रिय है. ग्रीक कलाकृतियों में "लाऊकून और उसके बेटे" नामक कृति की नकल विलक्षणता का प्रतीक है. यह कला ग्रीक शिल्पकारों को युगों से प्रभावित करती आई है तथा सबसे पुरानी कलाकृति 50 ई.पू. की है. इसके अलावा, यहां और कई प्रतिमाएं है, जैसे - स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, अलेक्जेंडर आन हार्स बैक, ऑगस्टस, सीज़र नाईट वॉचमैन आदि जो इन व्यक्तियों से जुड़ी कई ऐतिहासिक घटनाओं की याद दिलाते हैं.

39. यूरोपीय संगमरमर दीर्घा : संग्रहालय में संगमरमर की मूर्तियों का बहुत बडा संकलन है यद्यपि उनमें विख्यात शिल्पकारों द्वारा बनाई गई ग्रीक पौराणिक शिल्पों के नकल है, जो बगीचे में रखने वाली मूर्तियां है. इस कृति में विश्व विख्यात शिल्पकार जी.बी. बेन्ज़ोनी ने अपनी अतूक छेनी से वधु की रूप में रेबेक्का की लज्जा और यौवन को झलकाया है. इसके अतिरिक्त प्रो.बोरियोने द्वारा बनाया गया क्लियोपात्रा, फ्रांस के शिल्पकार का 'बेब' जिसमें एक बच्चे की मासूमियता झलकती है और क्यूपिड की पत्नी 'साइके' जो सुंदरता का प्रतीक हैं, की प्रतिमा कुछ उत्कृष्ट उदाहरण हैं. प्रसिद्ध फ्रेंच मूर्तिकार, कनोरा (1757-1822) की दो मूर्तिकलाएं वीनस के रूप में राजकुमारी पौलिन कास्ट

और दूसरी वीनस की मूर्ति भी उत्कृष्ट संगमरमर हैं. इटली, फ्रांस और इंग्लैंड से मंगवायी गयी कई संगमरमर मूर्तियां संग्रहालय में उपलब्ध हैं.

भंडार

सभी कलाकृतियों को सामग्री वार अलग-अलग किए गए हैं, जैसे: वस्त्र, लकडी के फर्नीचर, लघु चित्रकारी, शीशा, चीनी मिट्टी के बर्तन तथा पेंटिंग आदि और इन्हें नए भंडार कक्षों में शिफ्ट किए गए हैं, इन कक्षों को कमपैक्टर्स और अलमारियों सहित आधुनिक वैज्ञानिक तरीके से नवनिर्मित एवं उन्नत किए गए हैं, जिसमें इन वस्तुओं को प्रत्यक्ष रूप से तथा प्रदूषण से बचाया जा सकता है. अभी तक 15 भंडार कक्षों में से 12 कक्षों में कम्पैक्टर्स लगाए गए हैं.

पांडुलिपियां और पुस्तकालय:

सालार जंग संग्रहालय के पुस्तकालय में सालार जंग परिवार द्वारा एकत्रित पुस्तक और पांडुलिपियां शामिल है, इस संकलन का उद्‌गम ईसवी सन् 1656 में हुआ. नवाब मीर तुराब अली खान, सालार जंग-I द्वारा इस पुस्तकालय को सुव्यवस्थित संग्रह का रूप दिया गया, जिसे बाद में उनके पुत्र नवाब मीर लाइक अली खान, सालार जंग-II द्वारा और अंत में उनके पौत्र नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालार जंग-III ने विकसित किया और इसमें वृद्धि की. पुस्तकालय और पांडुलिपि अनुभाग दूसरी मंज़िल पर स्थित है. इस समृद्ध पुस्तकालय में अंग्रेज़ी, हिंदी, उर्दु, तेलुगु, फारसी, अरबी और तुर्की भाषा की पुस्तकें हैं. अंग्रेज़ी में मुद्रित पुस्तकों में अनुसंधान पत्रिकाएं, दुर्लभ फोटो का अलबम और मूल्यवान उत्कीर्णन शामिल हैं. इस बृहद्‌ संग्रह की प्रमुख बात यह है कि इसमें ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकें हैं जैसे कला, वास्तुकला, पुरातत्व, भौतिक और जीव - जंतु शास्त्र, सामाजिक शास्त्र, साहित्य, इतिहास तथा यात्रा. इस्लाम, हिंदुत्व, इसाई और अन्य धर्मो से संबंधित धार्मिक पुस्तकें भी इसमें शामिल है. इस संग्रह की प्राचीनतम पुस्तक ईसवीं सन् 1631 में मुद्रित एक अंग्रेज़ी पुस्तक है. इस पुस्तकालय में कला, शिल्पकला, चित्रकला, सिरैमिक कला, अलंकरण कला, संगीत शास्त्र, संग्रहालय पर्यटन इत्यादि विषयों से संबंधित नयी पुस्तकें निरंतर जोड़ी जाती हैं. संग्रहालय के कर्मचारियों के अलावा अनुसंधान विद्वान (भारत और विदेशों से) नियमित रूप से पुस्तकालय को आते रहते हैं. औसतन प्रतिदिन दस व्यक्ति अपने ज्ञान बढ़ाने तथा समृद्ध करने हेतु पुस्तकालय का उपयोग करते हैं. संग्रहालय में उपलब्ध उत्कृष्ट पांडुलिपियों के संग्रह में अरबी, फारसी, उर्दू और अन्य भाषाओं के हैं. इस संग्रह में सुलेखन पट्ट भी हैं. इन सचित्रों में विभिन्न ईरानी और भारतीय पंथ की पुस्तकें हैं जैसे बुखारा, इस्फहान, शिराज, तब्रेज, कचार, हार्ट, लाहौर, कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, जयपुर, मारवाड़, गुजरात, कंपनी स्कूल और दक्खनी उप पंथ जैसे गोलकोंडा, बिजापुर, बीदर और हैदराबाद. पांडुलिपियों में इतिहास, जीवनी, गणित, संगीत, खगोल-विज्ञान, चिकित्सा, दर्शन, भौतिक, रसायन, पशुपालन, शिकार, सैन्य, विज्ञान, विधि, साहित्य, पवित्र कुरान और अन्य संबंधित विषयों के विभिन्न पुस्तकें हैं.

अरबी पांडुलिपियां:

इस पुस्तकालय में अरबी पांडुलिपियां हैं. इसकी बड़ी विशेषता है कि बीजगणित (847 ई.) पर शरहूँ मुख्तसर अल मुख्तसर नामक गणित पर दुर्लभ कृतियां हैं. खगोल शास्त्र में पहला कार्य है - ग्लोब को बनाना तथा उसका प्रयोग करना (16वीं सदी), चिकित्सा के क्षेत्र में अविसेना (आईबीएन सिना) का किताबुल कैनून और प्राकृतिक इतिहास में हयातुल हैवान का उल्लेखनीय कार्य यहां उपलब्ध है. दर्शन के क्षेत्र में, रसैल इख्वानस साफा (16वीं सदी) का इन्सोक्लोपीडिया कार्य भी पुस्तकालय में उपलब्ध है. तर्क शास्त्र पर अल तजरिड फिल मंटिक, नसीरूद्दीन तुसी (1628 ई.सन) का प्रसिद्ध कार्य है तथा बादशाह जहाँगीर की इम्पीरियल पुस्तकालय से अला शारहिल मताली की पांडुलिपि की प्रति भी उपलब्ध हैं. यहां के संग्रहण में शिया और सुन्नी, यहूदी और सूफियों द्वारा आदियाह (प्रार्थना) में प्रयोग होने वाले इस्लाम के विचार की पांडुलिपि भी उपलब्ध है. सूफी सिद्धांत (दिल्‌ली-1675 ई.) के प्रवर्तकों के परिचय पर तार्रुफ लि मधबिट तसव्वुफ़ एक दुर्लभ कृति है. अबु नसर का शब्दकोश साबब (1218 ई.) का प्राचीनतम संग्रह है. जै उल क्वायद का पर्यायवाची शब्दकोश (1576 ई.) का

प्राचीनतम संग्रह है और निज़ाम-II की अवधि के दौरान शब्द साधन विषय पर लिखा गया अस शाफिया पर वाक्य विचार, पुस्तकालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं.

फारसी पांडुलिपियां:

फारसी भाषा के पांडुलिपियों का बृहत संकलन उपलब्ध हैं. सबसे अधिक उल्लेखनीय रौदातुल मुहिब्बिन है, जिसमें बुखारा परम्परा के बीस उद्धरण दिए गए हैं और प्रख्यात सुलेखक मीर अली हरवी ने लिप्यांतरण किया है. सुन्नी कामेंटरी सबसे पुरानी पांडुलिपि अल बसैर फिल वुजुह वन नज़ीर है, जो अरबी नक्ष में 1207 ई. में लिखा गया है. तसव्वुफ पर, बहुमूल्य और उपयोगी ग्रंथ का लिप्यंतरण 1588 ई. में बयाज़िद बुस्तामी ने किया. कला, विज्ञान, भविष्यवाणी, ज्योतिषी, जादू और धनुर्विद्या विषयों पर भी पांडुलिपियां उपलब्ध हैं. कृषि पर पुरानी पांडुलिपि और बहुमूल्य एवं अर्ध बहुमूल्य पत्थरों पर कई पांडुलिपियां हैं.

सुलेखन कला पर संग्रहालय में अनेकों पांडुलिपियां हैं, पाक कला पर दो पांडुलिपियां, जो शाहजहाँ के लिए दस्तूर - ए - पुख्तान एल अतामाह नाम से रचित है. इत्र (सुंगधित तेल) बनाने के बारे में भी प्राचीन पांडुलिपियां हैं. चिकित्सा के क्षेत्र में प्राचीनतम अरबी भाषा का फारसी में अनुवाद मुहम्मद-अर-रादि द्वारा शाहजहाँ के लिए लिखी गयी तरजुमा-ए-मिन्हजुल उपलब्ध हैं. संग्रहालय में भारत में लिपिबद्ध सबसे पुरानी चिकित्सा इन्सिक्लोपीडिया उपलब्ध है. पशु चिकित्सा विज्ञान में पशुओं की चिकित्सा पर उपलब्ध प्राचीनतम पांडुलिपियां मौलजा-ए-जानवरान है और यह फ़िरोज शाह (1281 ई.) को समर्पित है.

उर्दू, तुर्कि, पुश्तु, हिंदी और उड़िया पांडुलिपियां

सालार जंग संग्रहालय में विभिन्न विषयों से संबंधित उर्दू की पांडुलिपियां हैं, जिनमें राजा मुहम्मद कुली द्वारा रचित दीवान-ए-कुली कुतुब शाह और इब्राहिम आदिल शाह द्वारा नुरूस, अंकगणित पर "लीलावती" नामक दुर्लभ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं. तुर्कि में 25 पांडुलिपियां, कुछ हिंदी में और फारसी लिपि में, कुछ पन्ने जैन कल्पसूत्र और कुछ भोज पत्र उड़िया, संस्कृत और तेलुगु में इतिहास, चिकित्सा, तंत्र और कविता के बारे में उपलब्ध हैं.

संग्रहालय के उद्देश्यः

1. संग्रहालय की कलाकृतियों और संकलन को संरक्षित तथा सुरक्षित रखना.
2. सालार जंग के संकलन और अन्य अर्जित कलाकृतियों को संग्रहालय में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रदर्शित करना.
3. प्रख्यात विद्वानों, सांस्कृतिक संस्थानों, अन्य संग्रहालयों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों के सहयोग से संग्रहालय संकलन और कला इतिहास से संबंधित व्याख्यानों, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों का आयोजन करना.
4. वैज्ञानिक, सौंदर्य और सार्वजनिक अनुकूल तरीके से मौजूदा दीर्घाओं में कलाकृतियों को आधुनिक रूप से प्रदर्शित और अनुरक्षित करना.
5. जन सामान्य में संग्रहालय की कलाकृतियों और कला इतिहास के बारे में जागरुक्ता लाने के लिए साहित्य जैसेः अनुसंधान जर्नल, पुस्तकें, ब्रोचर, बुकलेट आदि प्रकाशित करना.
6. संग्रहालय को एक सृजनात्मक केंद्र तथा गतिशील सांस्कृतिक संगठन बनाना.

संग्रहालय के क्रियाकलापः

- संग्रहालय के क्रियाकलाप है, संग्रहालय की कलात्मक संपदा का संकलन, प्रलेखन, प्रदर्शन, संरक्षण और व्याख्यान आदि.
- सालार जंग संग्रहालय द्वारा प्रत्येक वर्ष विभिन्न अवसरों पर प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है.
- उपर्युक्त के अलावा संग्रहालय द्वारा प्रत्येक वर्ष संग्रहालय सप्ताह, बाल सप्ताह, ग्रीष्म कालीन कला शिविर आदि भी आयोजित किए जाते हैं ।

दर्शक सुविधाएं

- संग्रहालय में आमानती सामान घर प्राप्ति केंद्र और अलग से बुकिंग काउंटर की व्यवस्था की गई है.
- संग्रहालय में दर्शकों के लिए मुख्य भवन में पूर्ण केफेटीरिया और पश्चिम ब्लॉक में एक छोटे आउटलेट की व्यवस्था है जिसे तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा चलाया जा रहा है.
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए व्हील चेयर और शौचालय की भी व्यवस्था की गई है.
- मल्टी मीडिया, ऑडियो वीडियो विजुअल और मार्गदर्शक सुविधा : संग्रहालय के चार दीर्घाओं में संपूर्ण सूचना के साथ टच स्क्रीन प्रणाली लगाई गई है. प्रवेश स्थान पर 65" स्क्रीन वाली संग्रहालय सूचना प्रणाली स्थापित की गई है.
- संग्रहालय में एक स्मारिका शॉप है जिसमें मार्गदर्शक पुस्तिकाएं, संग्रहालय संकलन के प्रकाशन, कलाकृतियों की प्रतिकृतियां आदि एचएचईसी के स्मारिका शॉप के माध्यम से प्रदान किए गए है.
- दर्शकों के लिए शुद्ध पेय जल की व्यवस्था की गई है. संग्रहालय में आर ओ प्लांट स्थापित किया गया है, जो सभी वॉटर कूलरों को कनेक्ट किया गया है.
- दर्शकों को बैठने के लिए बेंचों की व्यवस्था की गई है.
- तीनों भवनों के फ्लोर प्लान के संक्षिप्त स्केच के साथ सूचना और संकेत सहित आकर्षित बहु रंगीन टिकट आरंभ किए गए जिसे दर्शक बुक मार्क के रूप में संरक्षित कर सकते हैं.
- संग्रहालय आने वाले दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सभी तीनों बलॉकों में लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है.
- सभी भवनों के प्रवेश में रैंप की व्यवस्था की गई है.
- बधीरों (कम सुनने वालों) के लिए सभी दीर्घाओं में कलाकृतियों के बारे में सामान्य लेबल और विवरण बोर्ड लगाए गए हैं.
- ज़रूरतमंदों के लिए विशेष रूप से एक बेबी फीडिंग रूम बनाया गया है. आंतरिक सुविधाओं के साथ वातानुकूल, सोफा जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं. बेबी फीडिंग रूम के समीप ही एक वाटर कूलर प्वाइंट उपलब्ध कराया गया है.

संग्रहालय के क्रियाकलाप:
शिक्षा विभाग
सालार जंग संग्रहालय के शिक्षा विभाग में निम्नलिखित शाखाएं हैं:

1. शिक्षा
2. प्रकाशन.
3. जनसंपर्क

प्रत्येक शाखा के क्रियाकलाप नीचे दर्शाए गए हैं :-

1.शिक्षा

(क) अस्थाई प्रदर्शनियां

विशेष प्रदर्शनियां, उत्सव प्रदर्शनियां, चल प्रदर्शनियां

(ख) व्याख्यान

मासिक व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, दीर्घा परिचर्चा, स्मरण व्याख्यान

(ग) अन्य गतिविधियां

ग्रीष्मकालीन कला शिविर, बाल सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह, विश्व धरोहर सप्ताह, सालार जंग – III जयंती समारोह, संग्रहालय स्थापना दिवस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाएं और कार्यक्रम

(घ) शैक्षणिक पाठ्यक्रम

संग्रहालय शास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सहयोग से), आंतरिक कर्मियों और स्कूल के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण

(च) प्रलेखन

विषयसूची कार्ड तैयार करना, मास्टर लेजरों का रख-रखाव, संग्रहालय वस्तुओं का कंप्यूटरीकरण, दीर्घा सी डी तैयार करना.

2. प्रकाशन

गाईड पुस्तकें, ब्रोशर, पैम्पलेट, द्विवार्षिक एसजेएम पत्रिका तैयार करना व मुद्रण, संग्रहालय स्मारिकाओं का (पोस्ट कार्ड, पोस्टर, प्रतिकृतियां आदि) मुद्रण, कैटलॉग पुस्तकें तैयार करना व मुद्रण और ब्रिक्री काउंटरों की देखभाल. संग्रहालय शॉप के परिचालन का कार्य भारतीय हस्तकला और हथकरघा निर्यात निगम लिमिटेड (हथकरघा मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम) को दिया गया है.

3. जनसंपर्क

किसी भी संग्रहालय के लिए जनसंपर्क सबसे महत्वपूर्ण विषय है. इस शाखा के अंतर्गत सामान्य और अति विशिष्ट पर्यटकों को नि:शुल्क गाईड सेवा प्रदान की जाती है. सामान्य पर्यटकों और विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को उचित सुविधाएं दी जाती हैं.पर्यटकों के लिए सुझाव पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई गई है, जिनके माध्यम से पर्यटकों के सुझावों पर विचार किया जाता है. जनसंपर्क की मुख्य गतिविधियां हैं: संग्रहालय गाइडिंग, दीर्घा परिचर्चा, स्वागत, अन्य एजेंसियों जैसे एएसआई, पर्यटन विभाग के साथ जनसंपर्क बनाए रखना.

रसायनिक संरक्षण स्कंध :

रसायनिक संरक्षण स्कंध अमूल्य कलात्मक वस्तुओं का क्षति तथा खराबी से सुरक्षित परिरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. संरक्षण स्कंध अपने तकनीकी कर्मचारियों के साथ इन वस्तुओं के परिरक्षण और उपचार के लिए जिम्मेदार होता हैं. संग्रहालय में एक परिरक्षण इकाई भी है. रसायनिक संरक्षण स्कंध की निम्नलिखित गतिविधियां हैं :-

- दीर्घाओं में प्रदर्शित तथा भंडार (आरक्षित संग्रह) में परिरक्षित कलात्मक वस्तुओं का परीक्षण.
- प्रयोगशाला में, क्षति/खराबी के कारणों का पता लगाना.
- वस्तुओं के उपचार के लिए प्राथमिकताओं के आधार पर अनुवर्ती कार्रवाई का निर्धारण और आवश्यक उपचार के प्रकार पर भी निर्णय लेना.
- वस्तु के लिए ऐसा उपचार करना जो परिरक्षक और निवारक दोनों प्रकार हो.

इंजीनियरी स्कंध :

इंजीनियरी स्कंध की स्थापना वर्ष 1994 में हुई, जिसका उद्देश्य है, (i) सिविल और विद्युत दोनों कार्यों के निष्पादन का पर्यवेक्षण (ii) परिरक्षण की देख-भाल (iii) भवन अनुरक्षण जिसमें सिविल, जल आपूर्ति, मल-निकासी, वातानुकूलन, बागवानी विकास और अनुरक्षण शामिल है. इस समय इंजीनियरी स्कंध दीर्घाओं के पुनर्गठन परियोजना कार्य से संबद्ध है.

संग्रहालय कर्मचारी :

परिरक्षक कर्मचारियों में क्युरेटर्स, उप-क्युरेटर्स और दीर्घा सहायक शामिल हैं. उनका मुख्य कार्य प्रदर्शन और भंडार में रखे कलावस्तुओं की उचित सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करना और उनका प्रलेखन, दीर्घाओं का अनुरक्षण तथा आरक्षित संचयन. प्रदर्शनियों के आयोजन और दीर्घा व्यवस्था की देखभाल करने के लिए क्युरेटर्स जिम्मेदार है. इसके अलावा यहां एक फोटोग्राफी सेक्शन भी है. वरिष्ठ गाइड प्राध्यापक तथा गाइड प्राध्यापक की सहायता से पर्यटकों के लिए गाइडेड दौरा आयोजित करते हैं और संग्रहालय का उद्‌गम तथा उसका महत्व और प्रदर्शन में रखी गई वस्तुओं के महत्व पर व्याख्यान देते हैं.

सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का गठन

संग्रहालय के कार्यकलापों का प्रबंधन सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसके अध्यक्ष तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के महामहिम राज्यपाल, पदेन अध्यक्ष और भारत सरकार व तेलंगाना राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले दस अन्य व्यक्ति इसके सदस्य होंगे. 11 सदस्यों में से पांच सदस्य पदेन और छ: नामित सदस्य होते है

बोर्ड अपने तीन समितियों अर्थात: कार्यकारी, वित्तीय और भवन सलाहकार समितियों के सहयोग से प्रमुख प्रशासनिक, वित्तीय और विकास गतिविधियों पर निर्णय लेता है.

I. **बोर्ड का गठन निम्नानुसार है:**

(क)	तेलंगाना राज्य के राज्यपाल -	**पदेन अध्यक्ष के रूप में**
(ख)	संबंधित मंत्रालय में भारत सरकार के प्रतिनिधि जो सालार जंग संग्रहालय से संबंधित कार्य देखते हो और जो उप सचिव के स्तर से कम न हो	**पदेन**
(ग)	महापौर, हैदराबाद महानगर निगम,	**पदेन**
(घ)	उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति।	**पदेन**
(ङ)	महालेखाकार,तेलंगाना	**पदेन**

*(च) केंद्र सरकार द्वारा एक नामित व्यक्ति, जो स्वर्गीय नवाब सालार जंग बहादुर (जिनका देहांत दिनांक 2 मार्च,1949 को हुआ था) के परिवार का सदस्य हो.

*(छ) केंद्र सरकार द्वारा नामित तीन व्यक्ति जिन्हें यथा संभव संग्रहालय तथा पुस्तकालयों से संबंधित प्रशासनिक मामलों का अनुभव हो.

*(ज) राज्य सरकार के द्वारा नामित दो व्यक्ति.

*बोर्ड के मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष की अवधि के लिए होता है ।

वर्ष 2018 - 19 के लिए बोर्ड के सदस्यों के नाम निम्नानुसार है:-

1.	**श्री ई.एस.एल.नरसिम्हन,** महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य, हैदराबाद.	-	**पदेन अध्यक्ष**
2.	**i) श्री राघवेंद्र सिंह, (फरवरी, 2018 से फरवरी, 2019 तक)** सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली. **ii) श्रीमती निरुपमा कोतरु** सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली.	-	**पदेन सदस्य**
3.	**श्री बोंतु राम मोहन** **महापौर,** हैदराबाद महानगर निगम, हैदराबाद.	-	**पदेन सदस्य**
4.	**प्रो.एस.रामचंद्रम्** कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद.- 500 007	-	**पदेन सदस्य**
5 .	**श्रीमती एस. स्नेहलता** प्रमुख महालेखाकार, (ए एंड ई), तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.	-	**पदेन सदस्य**
6.*	**नवाब एहतरम अली खान,** घर नं. 9-4-2, टोली चौकी, हैदराबाद	-	**सालार जंग परिवार द्वारा नामित सदस्य**
7.*	**श्री दिवाकर बी. गांधी,** एफ-217 ए, डब्ल्यू 5डी, सैनिक फार्म, नई दिल्ली – 110 062	-	**भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य**
8.*	**श्री सैय्यद ज़किर हुसैन,** घर नं.9-5-48/8/ए, बशीरबाग़, हैदराबाद.	-	**भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य**
9.*	**रिक्त (सदस्य ने नवंबर, 2016 में त्याग पत्र दिया)**	-	**भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य**
10.	**डॉ. इमानी शिवा नागी रेड्डी,** सी ई ओ, विजयवाडा का सांस्कृतिक केंद्र, मोगलराजपुरम, विजयवाडा.	-	**राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य**
11.	**श्री के. जितेंद्र बाबु ,** निदेशक, दक्क़न पुरातन व सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान (डीएसीआरआई), हैदराबाद	-	**राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य**
12.	**श्रीमती एम. श्रीमणी** बालापूर, जीवीजी मॉल के पीछे, रोड नं.1, बंजारा हिल्स, हैदराबाद-500 034	-	**विशेष अमंत्रित**

बोर्ड के मनोनीत सदस्यों का 18 नवंबर 2013 से 5 वर्ष की अवधि का कार्यकाल 17 नवंबर 2018 तक पूरा हो गया था।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने राजपत्र अधिसूचना सं.76 के भाग-II, उप-खंड (I) में 5 फरवरी 2019 से 5 वर्ष की अवधि के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में 4 नए सदस्यों को नामित किया है। सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में तेलंगाना सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले 2 सदस्यों का नामांकन अभी तक संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त नहीं हुआ है।

सचिव संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की ओर से बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव,को नामित किया गया है।

नए नामांकित सदस्यों के नाम निम्नानुसार है:

❖ (i) **नवाब एहतरम अली खान,**
घर नं. 9-4-2, टोली चौकी,
हैदराबाद

❖ (ii) **प्रो. ती. कृष्णा राव**
पूर्व प्रधान
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग
रजिस्ट्रार सेवानिवृत्त, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद,
पावनी अपार्टमेंट, नं.302, 3-6-183, स्ट्रीट नं 17, हिमायतनगर, हैदराबाद.

❖ (iii) **डॉ. एस. जयकिशन**
सचिव,
भवन्स न्यू साईंस कॉलेज,
रामकोटा, हैदराबाद,

❖ (iv) **डॉ. जी. कमलाकर**
निदेशक,
बिरला संग्रहालय, हैदराबाद,
फ्लैट नं.211, भारद्वाज कॉम्प्लेक्स
रेड क्रास हॉस्पिटल के समीप, गंगा थिएटर रोड,
गड्डीअन्नारम, हैदराबाद.

कार्यकारी समिति का गठन

कार्यकारी समिति में निम्नलिखित शामिल है:

अध्यक्ष के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कुलपति और बोर्ड द्वारा चार मनोनीत सदस्य :

सदस्य

1. **प्रो.एस.रामचंद्रम्** - **पदेन अध्यक्ष**
कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय,हैदराबाद.

2*. **श्रीमती एस. स्नेहलता** - **सदस्य**
प्रमुख महालेखाकार, (ए एंड ई)
तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.

3*. **नवाब एहतरम अली खान** - **सदस्य**
माननीय सदस्य,
सलारजंग संग्रहालय बोर्ड

4*. **श्री सैय्यद ज़किर हुसैन,** - **सदस्य**
माननीय सदस्य,
सलारजंग संग्रहालय बोर्ड

5*. **निदेशक– (सं.)** - **सदस्य**
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मनोनीत)

कार्यकारी समिति के मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल 17 नवंबर 2018 तक पूरा हो गया था। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने राजपत्र अधिसूचना सं.76 के भाग-II, उप-खंड (I) में 5 फरवरी 2019 से 5 वर्ष की अवधि के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में 4 नए सदस्यों को नामित किया है। सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में तेलंगाना सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले 2 सदस्यों का नामांकन अभी तक संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त नहीं हुआ है।

कार्यकारी समिति के 4 सदस्यों को सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा आगामी बोर्ड बैठक में नामित किया जाना है।

वित्त समिति का गठन

वित्त समिति में निम्नलिखित शामिल है:

i)	महालेखाकार,(ए एंड ई) तेलंगाना	**अध्यक्ष**
ii)	अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा मनोनीत बोर्ड के सदस्य	**सदस्य**
iii)	कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	**सदस्य**
iv)	संस्कृति मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार या उनके प्रतिनिधि जो उप वित्तीय सलाहकार के स्तर से कम न हो	**पदेन सदस्य**
v)	भारत सरकार,संस्कृति विभाग द्वारा मनोनीत	**पदेन सदस्य**
vi)	निदेशक, सालार जंग संग्रहालय,	**सदस्य / सचिव**

वित्त समिति के सदस्यों के नाम निम्नानुसार है :

1. **श्रीमती एस. स्नेहलता** - **पदेन अध्यक्षा**
प्रमुख महालेखाकार, (ए एंड ई)
तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.

2. **प्रो.एस.रामचंद्रम्** **सदस्य**
कुलपति,उस्मानिया विश्वविद्यालय,
हैदराबाद.

3. **वित्तीय सलाहकार (आई.एफ.डी.)** **सदस्य**
एकीकृत वित्त मंडल,
भारत सरकार,संस्कृति मंत्रालय,
शास्त्रि भवन, नई दिल्ली.

4. **सुश्री रिद्धि मिश्रा** **सदस्य**
उप सचिव (संग्रहालय)
संस्कृति मंत्रालय,भारत सरकार,
नई दिल्ली.

5. **श्री के. जितेंद्र बाबु** **सदस्य**
(अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा मनोनीत बोर्ड के सदस्य)

6. **(क) सुश्री शेफाली शाह** **सदस्य**
संयुक्त सचिव, भारत सरकार,संस्कृति मंत्रालय,
अतिरिक्त प्रभार, निदेशक, सालार जंग संग्रहालय

(ख) डॉ. ए.नागेंदर रेड्डी **सदस्य**
सचिव निदेशक, सालार जंग संग्रहालय,

वर्ष 2017-18 के लिए संग्रहालय के वार्षिक लेखा को वित्त समिति ने दि 12 जुलाई, 2018 कोअनुमोदन दिया है और संग्रहालय को लेखों के निरीक्षण के लिए प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केंद्रीय) से ऑडिट पार्टी को आमंत्रित करने की अनुमति दी है ।

वित्त समिति के मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल 17 नवंबर 2018 तक पूरा हो गया था। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने राजपत्र अधिसूचना सं.76 के भाग-II, उप-खंड (I) में 5 फरवरी 2019 से 5 वर्ष की अवधि के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में 4 नए सदस्यों को नामित किया है। सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में तेलंगाना सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले 2 सदस्यों का नामांकन अभी तक संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त नहीं हुआ है।

वित्त समिति के सदस्यों को सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा आगामी बोर्ड बैठक में नामित किया जाना है।

- **डॉ. ए.नागेंदर रेड्डी,संयुक्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, सालार जंग संग्रहालय को दि.28 जून, 2018 से निदेशक, सालार जंग संग्रहालय के रूप में नियुक्त किया गया है ।**

भवन सलाहकार समिति

बोर्ड द्वारा दि.26 सितंबर, 2014 के आर.नं.1.1/2014 के अनुसार भवन सलाहकार समिति के सदस्य नामित किए गए है.भवन सलाहकार समिति के सदस्य निम्नानुसार है:

1. **प्रो.एस.रामचंद्रम्** — **अध्यक्ष**
   कुलपति,
   उस्मानिया विश्वविद्यालय,हैदराबाद.

2. **श्रीमती एस. स्नेहलता** — **सदस्य**
   प्रमुख महालेखाकार, (ए एंड ई)
   तेलंगाना - हैदराबाद.

3. **डॉ. इमानी शिवा नागी रेड्डी** — **सदस्य**
   सी ई ओ,
   विजयवाडा का सांस्कृतिक केंद्र, मोगलराजपुरम,
   विजयवाडा.

4. **निदेशक (संग्रहालय)** — **सदस्य**
   संस्कृति मंत्रालय,भारत सरकार,

5. **प्रो. डी. विजय किशोर** — **सदस्य**
   वास्तुकला प्रोफेसर एवं प्रिंसिपल
   स्कूल ऑफ प्लानिंग & आर्किटेकचर
   जेएनएएफए विश्वविद्यालय
   फाइन आर्टस कॉलेज
   हैदराबाद

6. **निदेशक,** — **सदस्य**
   सालार जंग संग्रहालय
   हैदराबाद

भवन सलाहकार समिति के मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल 17 नवंबर 2018 तक पूरा हो गया था। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने राजपत्र अधिसूचना सं.76 के भाग-II, उप-खंड (I) में 5 फरवरी 2019 से 5 वर्ष की अवधि के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में 4 नए सदस्यों को नामित किया है। सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में तेलंगाना सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले 2 सदस्यों का नामांकन अभी तक संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त नहीं हुआ है।

भवन सलाहकार समिति के सदस्यों को सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा आगामी बोर्ड बैठक में नामित किया जाना है।

वित्तीय स्थिति - एक नज़र में
2018-2019

(लाख रु. में)

लेखा शीर्ष	अथशेष	प्राप्त अनुदान	गेट प्राप्तियां अन्य	कुल रकम	व्यय	कुल	शेष
31-जीआईए-		1250.00	321.62	1571.62	31-जीआईए-सामान्य	1571.62	-
35-जीआईए- सीसीए	20.00	230.00	-	250.00	35-जीआईए- सीसीए	250.00	
36-जीआईए-वेतन	84.00	1211.80	81.75	1377.55	36-जीआईए-वेतन	1377.55	-
96.33 स्वच्छ भारत	-	3.00	-	3.00	96.33 स्वच्छ भारत	3.00	-
कुल:	**104.00**	**2694.80**	**403.37**	**3202.17**	**कुल:**	**3202.17**	

दर्शक

वित्तीय वर्ष 2014–15 से 2018-19 के दौरान दर्शकों की संख्या दर्शाने वाला तुलनात्मक विवरण निम्नानुसार है :-

वित्त वर्ष	भारतीय दर्शक	गैर-भारतीय दर्शक	राजस्व लाख रु. में
2014-15	12,56,278	9,509	1,25,27,870
2015-16	** 13,20,120	8,803	2,04,02,955
2016-17	12,27,577	8,108	2,26,01,030
2017-18	12,83,486	7,763	2,30,38,780
2018-19	13,37,624	8,041	2,39,47,890

**13,37,624 दर्शकों में 3,30,394 बच्चे (अठारह वर्ष से कम आयु के बच्चे) शामिल है, जिन्हें संग्रहालय में निशुल्क प्रवेश दिया गया.

वर्ष के दौरान 13,45,665 दर्शकों (8,041 गैर-भारतीय दर्शकों सहित) ने संग्रहालय का दौरा किया. प्रवेश टिकटों की बिक्री के जरिए कुल 2,39,47,890/- रु. (गैर- भारतीय दर्शकों से प्राप्त 40,20,500/- रु सहित) का राजस्व प्राप्त हुआ.

वर्ष 2018-19 के लिए संग्रहालय की गतिविधियां

अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा विभिन्न धार्मिक, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं के अवसर पर 15 अस्थाई प्रदर्शनियां, 3 विशेष चर्चाएं, गोलमेज चर्चाएं, 4 व्याख्यान और 12 कार्यक्रम आयोजित किए गए.

प्रदर्शनियों,व्याख्यानों और कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:

(I).प्रदर्शनियां

1. **विश्व धरोहर दिवस** के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि.18 अप्रैल, 2018 को **"सालार जंग संग्रहालय में मिट्टी के मॉडल में ग्रामीण भारत"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

2. संग्रहालय ने एनसीएसएम मुंबई के सहयोग से दि. 23 अप्रैल, 2018 को क्रिकेट के माध्यम से भारत और इंगलैंड के बीच **"क्रिकेट कनेक्ट"** संबंधों के विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

3. संग्रहालय द्वारा तेलंगाना राज्य उत्सव **बोनालु** के अवसर पर दि.24 जुलाई, 2018 को एक विशेष फोटो प्रदर्शनी लगाई गई..

4. संग्रहालय दिवस के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि. 12 अगस्त 2018 को **"सालार जंग संग्रहालय से दुर्लभ पुस्तकें और पांडुलिपियां"** विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया..

5. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, रीजनल औटरिच ब्युरो (आरओबी) सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से संग्रहालय द्वारा दि. 14 अगस्त 2018 को **"स्वतंत्रता दिवस समारोह"** शीर्षक पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

6. दि. 3 सितंबर 2018 को कृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई. इस अवसर पर संग्रहालय द्वारा **"जन्माष्टमी"** पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

7. **महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती** के अवसर पर, सालार जंग संग्रहालय द्वारा दि.1 अक्तूबर 2018 को **"सालार जंग संग्रहालय के संकलन में महात्मा गांधी की प्रतिमाएं"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी लगाई गई.

8. देवी नवरात्री के अवसर पर 52 लघु चित्रकारी (सालार जंग संग्रहालय के संकलन से) के माध्यम से देवी महत्व को दर्शाते हुए **"देवी नवरात्री"** शीर्षक दुर्गा देवी पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

9. दि. 19 से 25 नवंबर 2018 तक **विश्व धरोहर सप्ताह** मनाया गया. इस अवधि के दौरान संग्रहालय में आने वाले दर्शकों में जागरुकता लाने के लिए **"भारत के विश्व धरोहर स्मारकों"** के पोस्टरों और चित्रों को प्रदर्शित करते हुए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

10. **67 वें संग्रहालय स्थापना दिवस** अर्थात दि.16 दिसंबर 2018 के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि. 15 दिसंबर 2018 को दीवान देवडी - सालार जंग परिवार के पुश्तैनी महल में सालार जंग संग्रहालय पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

11. क्रिसमस के अवसर पर,संग्रहालय द्वारा दि.20 दिसंबर 2018 को एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

.

12. **गणतंत्र दिवस** के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि.26 जनवरी 2018 को **"भारतीय संविधान का निर्माण"** विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

13. संग्रहालय ने बच्चों की रचनात्मक गतिविधियों पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया, जो संग्रहालय में बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों जैसे कि स्कूली बच्चों के अनाथालय विशेष रूप से विकलांग बच्चों आदि के लिए की गई सभी गतिविधियों को प्रदर्शित करता है. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दि. 16 फरवरी, 2019 को किया गया.

14. संग्रहालय द्वारा दि. 23 फरवरी, 2019 को सालार जंग संग्रहालय के संकलन से "खगोलीय उपकरण पर राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी" का आयोजन किया गया.

15. हजरत अली (आरए) के जन्मदिन के अवसर पर संग्रहालय ने दि.19 मार्च, 2019 को श्रीमती खमर फातिमा (बीएफए) फोटोग्राफी द्वारा एक विशेष प्रदर्शनी अरबी कैलिग्राफिक चित्रों का आयोजन किया. बेसिक वर्क क्ले मॉडलिंग में अल्पावधि पाठ्यक्रम और कलमकारी कला पेडरी जैसी कार्यशालाएं आयोजित की गई. निर्मल चित्रों और सुलेख मिश्रित मीडिया में प्रदर्शित किए गए थे जैसे कि ग्लास कैनवस आदि को प्रदर्शनी में रखा गया था

(II). संगोष्ठी, कार्यशाला / विशेष वार्ता और व्याख्यान

(क) गोलमेज चर्चा

1. पुस्तकालय दिवस के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि. 12 अगस्त, 2018 को "भाषाओं के विकास में पुस्तकपालों की भूमिका" थीम पर गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया.

(ख) विशेष वार्ता

1. **अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस** के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि. 18 मई, 2018 को, क्यों हम जानवरों के प्रति दयालु होना चाहिए पर पशु कार्यकर्ताओं द्वारा **"सालार जंग संग्रहालय और इसके प्रसिद्ध संग्रह"** थीम पर एक विशेष वार्ता का आयोजन किया गया.
2. सालार जंग संग्रहालय द्वारा हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसायटी के संयोजन से दि.12 मई, 2018 को **"सालार जंग संग्रहालय की सुदूर पूर्वी लकडी के फर्नीचर और नक्काशी गैलरी"** विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया गया. श्रीमती पी.अनुराधा रेड्डी, संयोजक, इंटैक, हैदराबाद द्वारा विशेष व्याख्यान दिया गया.
3. **"मतभेद, विरोध प्रदर्शन और प्रारंभिक भारत में समाज और राज्य के लिए सुधार बौद्ध धर्म की प्रतिक्रिया"** पर एक विशेष व्याख्यान डॉ अहमद सोहेब, सहायक प्रोफेसर, तुलनात्मक धर्मों और सभ्यताओं के अध्ययन का केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा दि 7 जनवरी 2019 को दिया गया.

(ग) व्याख्यान

1. सालार जंग संग्रहालय द्वारा दि 14 जुलाई 2018 को **"हैदराबाद के निज़ाम के बैंक नोट्स"** विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया. श्री अमरबीर सिंह द्वारा व्याख्यान दिया गया. डॉ डी.राजा रेड्डी, अध्यक्ष, न्युमिसमैटिक सोसायटी ऑफ तेलंगाना ने व्याख्यान की अध्यक्षता की.

2. सालार जंग संग्रहालय द्वारा हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसायटी और न्युमिसमैटिक सोसायटी ऑफ तेलंगाना के संयोजन से **"आसफ जाही युग के चेन सिक्के"** विषय पर पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एक व्याख्यान आयोजित किया गया. डॉ डी.राजा रेड्डी, अध्यक्ष, न्युमिसमैटिक सोसायटी ऑफ तेलंगाना ने दि. 11 अगस्त, 2018 को यह व्याख्यान दिया.

3. सालार जंग संग्रहालय द्वारा हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसायटी के संयोजन से दि. 08 सितंबर, 2018 को डॉ एम.ए.नयीम द्वारा **"मीर उस्मान अली खान हैदराबाद के सातवें निज़ाम और उनका योगदान"** शीर्षक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

4. सालार जंग संग्रहालय द्वारा हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसायटी के संयोजन से दि. 13 अक्तूबर, 2018 को डॉ (सुश्री) शर्मिला रेड्डी द्वारा **"कुडवल्ली संगमेश्वर स्वामी मंदिर का प्रतिमा विज्ञान"** विषय पर वीडियो प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एक व्याख्यान आयोजित किया गया.

(III). कार्यक्रम

1. **<u>ग्रीष्मकालीन कला शिविर</u>**: दि. 14 से 26 मई, 2018 तक संग्रहालय द्वारा नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के रूप में बच्चों के लिए "ग्रीष्मकालीन कला शिविर-2018" का आयोजन किया गया.

   विद्यार्थियों को उनके आयु के अनुसार कनिष्ठ (8-11 वर्ष) और वरिष्ठ (12-15 वर्ष) के रूप में वर्गीकृत किया गया.बच्चों को विभिन्न विषयों जैसे: (1) पर्यावरण प्रदूषण योग और जीने की कला का महत्व (2)राष्ट्रीय एकता, आरेख (पेंसिल स्केच) चित्रकारी, (क्रेयॉन और पानी के रंग) (3) कपडों पर (फैब्रिक) चित्रकारी, (4) भारतीय कला और धरोहर जागरुकता, (5) कशीदाकारी (सिलाई पैटर्न विभिन्न प्रकार की सिलाई से भरना) और (5) एसपीपीडब्ल्यू आदि में प्रशिक्षण दिया गया.

   इसके अलावा पशु कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों को जानवरों के प्रति दयालुता के महत्व के बारे में जागरुक किया गया. इस ग्रीष्मकालीन कला शिविर में 145 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया.

2. **<u>अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस:</u>** संग्रहालय द्वारा दि. 18 मई, 2018 को "अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस" मनाया गया.

3. **<u>धरोहर यात्रा:</u>** सालार जंग संग्रहालय द्वारा हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसायटी के संयोजन से दि. 08 सितंबर, 2018 को "अज़ाखाना-ए-ज़ोहरा (आशूर खाना)" की धरोहर यात्रा का अयोजन किया गया.

4. **<u>अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:</u>** संग्रहालय में दि. 21 जून, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया. इस कार्यक्रम में संग्रहालय के अधिकारी, कर्मचारी और केंऔसुब के कार्मिकों ने भाग लिया.

5. पुरी, उडिशा के भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि.17 जुलाई, 2018 को **"रथ यात्रा"** का अयोजन किया गया.

6. **पुस्तकालय दिवस:** संग्रहालय द्वारा दि.12 अगस्त, 2018 को भारत में पुस्तकालय आंदोलन के संस्थापक डॉ रंगनाथन की याद में पुस्तकालय दिवस मनाया गया.

7. **स्वतंत्रता दिवस:** संग्रहालय द्वारा दि.15 अगस्त, 2018 को 72 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया. डॉ ए. नागेंदर रेड्डी, निदेशक, सालार जंग संग्रहालय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया. संग्रहालय के अधिकारी, कर्मचारी और केंऔसुब के कार्मिकों ने कार्यक्रम में भाग लिया.

8. **हिंदी सप्ताह समारोह:** सालार जंग संग्रहालय में दि. 11 से 25 सितम्बर 2018 तक हिंदी सप्ताह समारोह मनाया गया. इस अवसर पर, दि. 11.09.2018 को हिंदी पखवाडा और कार्यशाला का आयोजन किया गया. संग्रहालय द्वारा हिंदी वाक, हिंदी निबंध लेखन, डिक्टेशन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. दि. 09 अक्तूबर, 2018 को समापन समारोह का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए.

9. **राष्ट्रीय एकता दिवस:** संग्रहालय द्वारा दि. 31 अक्तूबर, 2018 को **"राष्ट्रीय एकता दिवस"** के रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई गई और संग्रहालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने शपथ ली.

10. **बाल सप्ताह:** संग्रहालय द्वारा दि.14 से 20 नवम्बर, 2018 तक बाल सप्ताह समारोह मनाया गया. इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन, वाक और आरेख जैसे प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए. विभिन्न स्कूलों से लगभग 183 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया.

11. <u>संग्रहालय सप्ताह (8-14 जनवरी 2019)</u>

सालार जंग संग्रहालय में संग्रहालय सप्ताह मनाया गया। निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

i. संग्रहालय सप्ताह के अवसर पर जनवरी, 2019 में संग्रहालय सप्ताह के दौरान प्रवेश टिकटों में 50% की छूट दी गई।

ii. दि. 09 जनवरी, 2019 को (तीन आयु ग्रूप) के महिलाओं के लिए पारंपरिक "रंगोली" प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

iii. दि. 09 जनवरी, 2019 को "रंगोली" मे भाग लेने के लिए अनाथ बच्चों को आमंत्रित किया गया।

iv. दि. 09 जनवरी, 2019 को "रंगोली" मे भाग लेने के लिए विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों को भी आमंत्रित किया गया।

v. दि. 10 जनवरी, 2019 को महिला कर्मचारी सदस्यों के लिए "कॉमन रंगोली" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

12. **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस:** सालार जंग संग्रहालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर (8 मार्च को शुक्रवार संग्रहालय को छुट्टी का दिन होने के कारण) दि. 9 मार्च, 2019 को "एक बेहतर विश्व के लिए लिंग संतुलन" विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया। श्री अजायब सिंह, लेखा परीक्षा बोर्ड के सदस्य, महालेखापाल कार्यालय, हैदराबाद समारोह में उपस्थित हुए। प्रतिष्ठित विद्वानों, विभिन्न क्षेत्रों के अधिकारियों ने इस चर्चा में भाग लिया. एयर कमांडर पी. रामुलु तथा सहायक कमांडेंट ने हमारे सैनिकों को श्रद्धांजली देने के बाद सत्र का उद्घाटन किया।.

कम-विशेषाधिकार प्राप्त बच्चों का दौरा: भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, भारतीय इतिहास, संस्कृति और विज्ञान से संबंधित ज्ञान प्राप्त करने का अवसर देने के लिए स्लम क्षेत्रों से सरकारी स्कूलों, निजी स्कूलों के कम-विशेषाधिकार प्राप्त बच्चों का संग्रहालय द्वारा मुफ्त दौरा करवाया गया। इसे 8 दिसंबर 2018 से आरंभ किया गया। अवधि के दौरान 5815 बच्चों ने इस सुविधा का लाभ उठाया है। बच्चों को परिवहन सुविधा, अल्पाहार तथा विशेष किट प्रदान किए गए।

पांडुलिपि अनुभाग

(I) दौरा करने वाले विद्वानों की संख्या - **230**

(ii) देखे गए पांडुलिपियों की संख्या - **466**

(iii) पांडुलिपियों का भौतिक सत्यापन - **2249**

पुस्तकालय अनुभाग

(I) पुस्तकों का अभिगमन - 291

(ii) पुस्तकों का वर्गीकरण - 182

(iii) सूची-पत्र प्रविष्टियां - 337

(iv) पाठकों की संख्या - 383 (पुस्तकालय) 1003 (वाचनालय)

(पुस्तकालय, ओरिएंटल अनुभाग, संदर्भ अनुभाग और वाचनालय)

(v) देखी गई पुस्तकें - 1409 (पुस्तकालय) 1160 (वाचनालय)

(पुस्तकालय, ओरिएंटल अनुभाग, संदर्भ अनुभाग और वाचनालय)

(IV) रसायनिक संरक्षण प्रयोगशाला:

इस अवधि के दौरान विभिन्न श्रेणियों की **247** कलाकृतियों और **453** गैर-वस्तुओं का रसायनिक परिरक्षण और संरक्षण किया गया

(V) स्वच्छ भारत:

संग्रहालय ने 2014 से एक नियमित गतिविधि के रूप में संग्रहालय और उसके आसपास की सफाई को बनाए रखने के लिए "स्वच्छ भारत" के तहत विभिन्न गतिविधियों की शुरुआत की है.

- हर हफ्ते संग्रहालय के अधिकारी और कर्मचारी तथा केऔसुब कर्मी संग्रहालय के भवनों और उसके छत के ऊपर की सफाई का आयोजन करते हैं.
- स्वच्छता को बनाए रखने की आवश्यकता पर बच्चों को ज्ञान प्रदान करने के लिए स्कूलों में जागरुकता कार्यक्रम, व्याख्यान भी आयोजित किए गए हैं.

संग्रहालय में होने वाली विकास गतिविधियों और उपलब्धियों को निम्नानुसार दर्शाया गया है:

I. दीर्घाओं का पुनर्गठन

दो दीर्घाएं अर्थात: दक्षिण भारतीय माइनर आर्टस और दक्षिण भारतीय ब्रॉन्ज़ के पुनर्गठन का कार्य प्रगति पर है.

II. विस्तार:

- **पूर्वी ब्लॉक का निर्माण:** पूर्वी ब्लॉक के द्वितीय तल पर इस्लामिक कला और संस्कृति को दर्शाने वाली एक विशेष दीर्घा का निर्माण किया जा रहा है. सिविल कार्य पूर्ण हो चुके हैं और शोकेस दीर्घाओं जैसे आंतरिक कार्य प्रगति पर हैं,

- **अमानती सामान घर:** अमानती सामान घर भवन सभी तरह से पूर्ण है और उद्घाटन के लिए तैयार है. इसमें पहली मंज़िल पर हैदराबादी व्यंजनों के साथ एक उन्नत रेस्टोरेंट और दूसरी मंजिल पर मिनी कला प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए मिनी प्रदर्शनी हॉल है.

(III) पहल और उपलब्धियां

(i) ऊर्जा बचत उपाय

- अधिकांश दीर्घाओं को एलईडी प्रकाश व्यवस्था से बदल दिया गया है.
- पारंपरिक एएचयू को नए एएचयू के साथ बदल दिया गया है.
- पॉवर फैक्टर पैनलों को बदल दिया गया है.

उपर्युक्त बचत उपायों और सोलार पॉवर प्लांट संस्थापित कर संग्रहालय विद्युत प्रभार में प्रति वर्ष लगभग 60.00 लाख रु की बचत कर रहा है.

(ii). डिजिटाइज़ेशन:

जतन संकलन प्रबंधन सॉफ्टवेयर: अवधि के दौरान 10229 कलाकृतियों को संग्रहालय के वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। अब तक 40211 कलाकृतियों का डाटा अपलोड किया गया है।

क) 3डी - फोटोग्राफी: अवधि के दौरान कुल 4556 कलाकृतियों की 3डी फोटोग्राफी की गई है. अब तक 9669 कलाकृतियो की फोटोग्राफी की गई है.

ख) 2डी - फोटोग्राफी: अवधि के दौरान कुल 14233 कलाकृतियों की 2डी फोटोग्राफी की गई है. अब तक 40862 कलाकृतियो की फोटोग्राफी की गई है.

- इसके अलावा पुस्तकालय के 28556 पुस्तकों को विद्वानों और शोधकर्ताओं के लाभ के लिए इंट्रानेट पर अपलोड किया गया.
- 3447 पांडुलिपियों को डिजिटाइज कर सरवर पर अपलोड किया गया
- कलाकृतियों की आरएफआईडी टैगिंग की गई. अभी तक 10005 कलाकृतियों की आरएफआईडी टैगिंग पूरी हो चुकी है.

सालार जंग संग्रहालय हैदराबाद

वार्षिक लेखा

वर्ष

2018-2019

के लिए

वर्ष 2018 - 2019 के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का वार्षिक लेखा

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	अनुसूची सं.	पृष्ठ सं. से -तक
1	तुलन पत्र		33
2	आय और खर्च लेखा		34
3	प्राप्तियां व भुगतान लेखा		35-36
अनुसूचियां - तुलन पत्र			
4	कार्पस /पूंजीगत निधि	1	37
5	रिजर्व और अधिशेष	2	37
6	चिह्नित निधि	3	38
7	प्रारक्षित ऋण व उधार	4	38
8	गैर-प्रारक्षित ऋण व उधार	5	38
9	आस्थगित चालू दायिता	6	39
10	चालू दायिता / प्रावधान	7	39
11	नियत परिसंपत्ति	8	40 – 41
12	चिह्नित / धर्मदाय निधि से निवेश	9	42
13	निवेश - अन्य	10	42
14	रद्दी परिसंपत्ति	10क	42
15	चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम	11	43
अनुसूचियां - आय और खर्च लेखा			
16	विक्रय/सेवाओं से आय	12	44
17	अनुदान / परिदान	13	44
18	शुल्क / अभिदान	14	45
19	निवेश से आय	15	45
20	रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	45
21	अर्जित ब्याज	17	46
22	अन्य आय	18	46
23	नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	18क	46
24	तैयार माल के स्टाक में घट-बढ व चालू कार्य	19	47
25	स्थापना व्यय	20	47
26	अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	48
27	केंऔसुब के भुगतान	21क	49
28	पूर्ववर्ति अवधि समायोजन	21ख	49
29	अनुदान, परिदान आदि पर व्यय	22	49
30	ब्याज	23	49
लेखा पर टिप्पणियां			
31	विशिष्ट लेखा नीतियां और लेखा पर टिप्पणियां	24 व 24क	50 – 51
32	आकस्मिक दायिता व लेखा पर टिप्पणियां	25	52 – 53
33	बाहरी व्यक्तियो के पास अन्य जमा और अग्रिम,अग्रिम व बयाना धन प्रतिभूति जमा	अनुबंध	54
कर्मचारी - सामान्य भविष्य निधि लेखा			
34	सामान्य भविष्य निधि तुलन पत्र		55
35	सामान्य भविष्य निधि शेष प्राप्तियां और भुगतान लेखा		55
36	सामान्य भविष्य निधि निवेश की अनुसूची - I		56
37	सामान्य भविष्य निधि जमा व निकासी की अनुसूची - II		56
लेखा परीक्षा रिपोर्ट			
38	पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट		57 - 60

वित्तीय विवरणी (गैर - लाभ संगठन)
सालार जंग संग्रहालय
दि. 31 मार्च 2019 को तुलनपत्र

(राशि-रुपयों में)

कार्पस/पूंजी, निधि और दायिता	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	अनुसूची
कार्पस/पूंजी निधि	606041812	614366694	1
रिजर्व और अधिशेष	10190905	9453888	2
चिह्नित/धर्मदाय निधि	239870	225952	3
प्रारक्षित ऋण और उधार	..	..	4
गैर प्रारक्षित ऋण और उधार	..	..	5
आस्थगित दायिता	..	..	6
चालू दायिता और प्रावधान	7917115	14654216	7
कुल - दायिता	**624389702**	**638700750**	
परिसंपत्तियां	**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**	**अनुसूची**
नियत परिसंपत्तियां - खंड ब्लॉक			**8**
i) वर्ष के आरम्भ में	842249102	816953448	
ii) वर्ष के दौरान जोड	79945945	25295654	
iii) वर्ष के अंत में (i + ii)	922195047	842249102	
घटाएं: मूल्यह्रास	353475286	325665591	
शुद्ध राशि:	568719761	516583511	
जोड : चल रहे पुंजीगत कार्य	36725892	89660501	
कुल नियत परिसंपत्तियां:	**605445653**	**606244012**	**8**
निवेश – चिह्नित / धर्मदाय निधियों से	239870	225952	9
निवेश - अन्य	..	..	10
रद्दी परिसंपत्तियां	..	..	10A
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि.	18704179	32230786	11
विविध व्यय (समायोजन किया गया या बट्टे खाते में न डाला गया)	..	..	
कुल - परिसंपत्तियां	**624389702**	**638700750**	

लेखाकरण की महत्वपूर्ण नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां	24/24A
आकस्मिक देयताएं	25

सालार जंग संग्रहालय
दि. 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और खर्च का लेखा

(राशि-रु में)

	आय	चालू वर्ष		पिछला वर्ष		अनुसूची
क	बिक्री / सेवाओं से आय		31351040		28588702	12
	(i) केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान :	269480000		224474000		
घटाएं:	(ii) अप्रयुक्त अनुदान	..		7125619		13
	(iii) निवल (i - ii)	269480000		217348381		
जोडें:	(iv) पिछले वर्ष का अप्रयुक्त अनुदान पुन:वैधित	7125619		52067215		
	(v) वर्ष 2017-18 के लिए देय ब्याज समायोजित	1042825				
	वर्ष के दौरान प्रयुक्त अनुदान (iii + iv)	277648444		269415596		
घटाएं:	पूंजीगत लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान	25000000		25541461		
	कार्पस/पूंगीगत निधि को अंतरित: (अनुसूची-1 देखें)					
ख	राजस्व लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान		252648444		243874135	
ग	"सोलार पॉवर प्लांट के लिए एमएनआरई					
	(*) से प्राप्त सहायता राशि		1482300		9800330	
घ	शुल्क / अभिदान		..		..	14
	निवेश से आय - चिह्नित / धर्मदाय निधि	13918		17616		15
	" चिह्नित / धर्मदाय निधि से आय निधि लेखा					
	को अंतरित	(-) 13918		(-) 17616		
	(अनुसूची 9 देखें)					
च	रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय		289		330478	16
छ	अर्जित ब्याज		3120710		829215	17
ज	अन्य आय		4208688		3722415	18
झ	सहायता प्राप्त सोलार पॉवर प्लांट से आस्थगित आय		745283		346442	8&2
ट	स्थायी परिसंपत्ति की बिक्री से प्राप्त राशि		..		..	18A
ठ	स्टॉक (प्रकाशनों) में वृद्धि (+) / कमी (-)		(-)18113		(-)168224	19
	कुल (क)		**293538641**		**287323493**	
	व्यय					
क	स्थापना व्यय		137755023		134806010	20
ख	प्रशासनिक व अनुरक्षण व्यय		52757575		48550749	21
ग	केंऔसुब पर व्यय		104659826		95517124	21A
घ	पूर्व अवधि लेनदेन / समायोजन		2399104		265500	21B
च	अनुदान आदि पर व्यय		..		..	22
छ	मंत्रालय को देय ब्याज		..		..	23
ज	मूल्य ह्रास (अनुसूची - 8 देखें)		27809695		32197576	
झ	धर्मदाय निधि पर ब्याज के अतिरिक्त प्रावधान					
	का प्रतिलेखन (अनुसूची - 11 देखें)		..		60185	
	कुल (ख)		**325381223**		**311397144**	
	आय से अधिक व्यय का शेष अधिक आय (ख-क)		31842582		24073651	
	पूंजीगत रिज़र्व को अंतरित (अनुसूची - 2 देखें)		1482300		9800330	
	सामान्य रिज़र्व से / को अंतरित		..		..	
	शेष (घाटा) कार्पस / पूंजीगत निधि को अग्रेनीत - (अनुसूची 1 देखें)		**33324882**		**33873981**	

* (*) एमएनआरई – नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (अनुसूची – 24क के अंतर्गत नोट 5ख देखें)

नोट: एसएआर के अनुसार 104.00 लाख रुपये का गैर अनुदान दिया ग.I. अनुदान पुन: अमान्य (71.26 लाख रुपये);के रूप में समायोजित किया गया; चालू वर्ष के दौरान देय ब्याज (10.43 लाख रुपये) और 2017-18 में पहले से 21.35 लाख रुपये समायोजित किए गए, शेष राउंड ऑफ किए गए.

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां व भुगतान

(राशि रु.में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I अथ शेष		
क) हाथ नकदी	126040	5000
ख) बैंक में शेष		
i. चालू खाते में	3168605	1558747
ii. जमा खाते में	15000000	57000000
iii. बचत खाते में	-	-
उप कुल (क + ख)	18294645	58563747
II (क) प्राप्त अनुदान		
(क) केंद्र सरकार से		
(क) सामान्य-केऔसुब और संग्रहालय अनुरक्षण (एच 31)	125000000	111543000
(ख) पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन (एच 35)	23000000	14585000
(ग) कर्मचारी वेतन (एच 36)	121180000	98346000
(घ) स्वच्छ भारत (96.33)	300000	-
कुल (क से घ)	269480000	224474000
(ख)) राज्य सरकार से		
(ग) अन्य स्रोतों से		
III टिकटों की बिक्रसे आय	30973840	28581430
IV निम्नलिखित से निवेश पर आय		
क) चिह्नित / धर्मदाय निधि	-	-
ख) अपनी निधि (अन्य निवेश)	-	-
पृष्ठ कुल अग्रेनीत	**318748485**	**311619177**

भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I व्यय: (वेतन आदि)		
क) स्थापना व्यय	137755023	133727617
ख) प्रशासनिक व रखरखाव व्यय	41017379	37099195
उप कुल (क + ख)	178772402	170826812
ग) कर्मचारी अग्रिम	1000000	490950
घ) बयाना धन की वापसी	406012	364506
च) बाहरी व्यक्तियों के पास जमा	-	-
कुल (I)	**180178414**	**171682268**
II किए गए निवेश व जमा		
I) चिह्नित/धर्मदाय निधियों से		
ii) अपनी निधियों से (निवेश-अन्य)		
III (A) व्यय (पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन)		
1. भवन परियोजना (नया)	7851646	2859893
2. विद्यमान भवन विकास	2305216	9396312
3. दीर्घाओं का पुर्नगठन	10271652	6210219
4. उपकरण आदि का संरक्षण	258575	102550
5. सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन	1821326	2474890
6. डिजिटाइजेशन और प्रलेखन	44750	1204572
7. जन सुविधाएं	177000	587538
8. संरक्षण - पुस्तकालय, पांडुलिपियां	269835	95500
9. सोलार पावर प्लांट का अग्रिम	...	2068526
कुल (योजना - सीसीए)	**23000000**	**25000000**
पृष्ठ कुल अग्रेनीत	**203178414**	**196682268**

(राशि रु.में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कुल शेष अग्रानीत	**318748485**	**311619177**	**कुल शेष अग्रानीत**	**203178414**	**196682268**
V निम्नलिखित पर प्राप्त ब्याज			**III (ख) व्यय**		
1. बैंक में जमा टीडीआर	195483	3176276	1.सांस्कृतिक व जन शिक्षा	1613581	2471815
2. बचत खाता	1324276	142866	2. संरक्षण	599281	997725
3. विध्युत जमा और अन्य	490551	..	3. पुस्तकालय	1055308	1008434
4. कर्मचारी अग्रिम	1110400	686349	4. पांडुलिपी	644013	773464
कुल - V	**3120710**	**4005491**	5. फोटोग्राफी	125275	151796
VI अन्य आय (उल्लेख करें)			6. डिजिटाइजेशन और प्रलेखन	1649630	1684198
क) प्रकाशनों की बिक्री	100675	304194	7. क्षमता निर्माण कार्यक्रम	-	174260
ख) पट्टा किराया	4681912	3568715	8. सुरक्षा उपकरण का अनुरक्षण	5798426	3877628
ग) विविध प्राप्तियां (तोलन मशीन, रद्दी)	588467	384276	9. विद्यमान भवन विकास	-	-
घ) पेंशन निधि जमा	572138	-	10.कैंऔ.सु.ब. की प्रतिनियुक्ति	104659826	95291537
कुल - VI	**5943192**	**4257185**	11.स्वच्छ भारत अभियान	300000	284501
			कुल (योजना - राजस्व)	**116445340**	**106715358**
VII अन्य कोई प्राप्तियां / वसूलियां			**IV अतिरिक्त धन/ऋण की धनवापसी**		
क) कर्मचारी अग्रिम	629804	1054376	क) भारत सरकार को	-	-
ख) बयाना जमा रकम	1252823	756042	ख) राज्य सरकार को	-	-
ग) अन्य प्राप्तिया	-	-	ग) ऋण देनेवालों को	-	-
घ) परिपरिसंपत्तियों की बिक्री	-	-	**V वित्त प्रभार**		
च) जीएसटी	20504	-	**VI अन्य भुगतान**		
छ) बैंक गारंटी जमा की रिहाई	300000	-	**VII इतिशेष**		
			क) हाथ नकदी	217002	126040
कुल - VII	**2203131**	**1810418**	ख) बैंक में शेष i) चालू खाते में	10174762	3168605
			ii) जमा खाते में	-	15000000
			iii) बचत खाते में	-	-
			कुल - VII	**10391764**	**18294645**
कुल	**330015518**	**321692271**	**कुल**	**330015518**	**321692271**

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2019 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 1 - कार्पस/पूंजीगत निधि:	**चालू वर्ष**		**पिछला वर्ष**	
(क) वर्ष के आरंभ में शेष	967917238		942375777	
जोड़ें: वर्ष के लिए कार्पस/पूंजीगत निधि के प्रति अभिदान	25000000		25541461	
वर्ष के अंत में कुल :		992917238		967917238
	353550544		319676563	
(ख) पिछले वर्ष से लाया गया आय से अधिक व्यय शेष				
जोड़ें: आय और व्यय लेखे से अंतरित अधिक व्यय शेष	33324882		33873981	353550544
घटाएं: कुल आय से अधिक व्यय		386875426		
कुल (क - ख)		**606041812**		**614366694**

(राशि रु.में)

अनुसूची 2 - आरक्षितियां व अधिशेष	**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1 पूंजी आरक्षिति		
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार	9453888	..
वर्ष के दौरान जोड	1482300	9800330
घटाएं: कटौतियां (आय और व्यय लेखा को अंतरण)	745283	346442
वर्ष के अंत तक शेष	10190905	9453888
2 आरक्षिति व अधिशेष		
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार	...	...
वर्ष के दौरान जोड		
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
3 विशेष आरक्षिति		
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार	...	...
वर्ष के दौरान जोड		
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
4 साधारण आरक्षिति		
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार	...	...
वर्ष के दौरान जोड		
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
कुल	**10190905**	**9453888**

नोट:रु. 7,45,283 के आस्थगित व्यय को इसी मूल्यह्रास प्रभारित में कटौति की गई.(अनुसूचि 24 क के अंतर्गत नोट 5(ख) देखें)

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2019 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 3 - चिह्नित/ धर्मदाय निधि:	निधि-वार कोटि			कुल	
	सालार जंग संग्रहालय स्वर्ण पदक निधि	एनआरआई द्वारा दान की गई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	(स्वर्गीय) श्री सुब्बा रामी -रेड्डी व राजम्मा छात्रवृत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) प्रारंभिक अतिशेष (एफडीआर में निधि का अंकित मूल्य	85425	75204	47707	208336	208336
ख) निधि में जोड़ दान/अनुदान	..	..	..	..	..
ग) ब्याज अर्जित परंतु देय नहीं (अनंतिम)					
i) पिछले वर्ष के अंत तक	5964	8322	3330	17616	..
ii) वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज	5553	5264	3101	13918	17616
iii) चालु वर्ष के अंत तक कुल	11517	13586	6431	31534	
घ) कुल क + ख + ग (iii)	96942	88790	54138	239870	225952
च) उपयोगिता/निधि के प्रयोजनो के प्रति व्यय	..	..	..	..	..
i. पूंजीगत व्यय					
- स्थिर परिसंपत्ति					
- अन्य					
कुल ग (I)					
ii. राजस्व व्यय					
वेतन, मज़दूरी और भत्ता आदि					
- किराया					
अन्य प्रशासनिक व्यय					
कुल ग (ii)					
कुल (ग)	..	..	..	..	..
वर्ष के अंत में कुल शेष (घ - च)	**96942**	**88790**	**54138**	**239870**	**225952**

टिप्पणियां: 1.प्रारंभिक अतिशेष 2016-17 में नवीकृत एफडी (रु.208336) के अंकित मूल्य को दर्शाता है.
2.स्त्रोत पर टीडीएस कटौतियां, यदि कोई हो, ब्यौरा उपलब्ध न होने के कारण प्रस्तुत नहीं किए गए.

(राशि रु.में)

अनुसूची 4 - प्रारक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 केंद्र सरकार	-	-
2 राज्य सरकार (उल्लेख करें)		
3 वित्तीय संस्थान क) आवधिक ऋण		
ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
4 बैंक: क) आवधिक ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
ख) अन्य ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
5 अन्य संस्थान व एजेन्सियां		
6 डिबेंचर व बांड		
7 अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	-	-

नोट: एक वर्ष के भीतर देय रकम

(राशि रु.में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 केंद्र सरकार	-	-
2 राज्य सरकार (उल्लेख करें)		
3 वित्तीय संस्थान		
क) आवधिक ऋण		
ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
4 बैंक:		
क) आवधिक ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
ख) अन्य ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
5 अन्य संस्थान व एजेन्सियां		
6 डिबेंचर व बांड		
7 सावधि जमा		
8 अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	-	-

नोट: एक वंर्ष के भीतर देय रकम

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2019 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

अनुसूची 6 - आस्थगित चालु देयता	चालु वर्ष	पिछला वर्ष
क) पूंजीगत उपस्कर तथा अन्य परिसंपत्तियों को गिरवी रखते हुए प्रारक्षित स्वीकारोक्तियां	-	-
ख) अन्य		
कुल	-	-

अनुसूची 7 - चालु दायित्व व प्रावधान	चालु वर्ष	पिछला वर्ष
क. चालू दायित्व		
1 स्वीकारोक्तियां		..
2 विविध लेनदार		
. क) माल के लिए		..
. ख) अन्य के लिए	11535	11535
3 प्राप्त अग्रिम राशि		
. क) साइकल स्टैंड पट्टे की रकम	406850	406850
. ख) अन्य		
4 उपार्जित ब्याज परंतु देय नहीं		
. क) प्रारक्षित ऋण /उधार		
. ख) अप्रारक्षित ऋण /उधार		
5 सांविधिक देयताएं		
क) अतिशोध्य	..	..
. ख) अन्य – जीएसटी	63632	3788
6 अन्य चालू देयताएं		
. क) पुनर्वैधीकरण के लिए खर्च न किया गया अनुदान	..	7125619
. ख) बयाना जमा रकम (कृपया अनुबंध देखें)	6521784	5674973
c. सोलार पॉवर प्लांट के लिए टीएसआरईडीसीओ को देय राशि	529036	
7 बकाया देयताएं - राजस्व लेखा		
i. छुट्टी वेतन और पेंशन अभिदान	..	..
ii. महालेखाकार को देय लेखा परीक्षा शुल्क	200000	200000
iii. सीआईएसएफ को भुगतान	..	..
iv. पेंशन व सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान	..	..
v. देय वेतन व भत्ता, बोनस,छुट्टी यात्रा रियायत,समयोपरी भत्ता इत्यादि	..	..
vi. टेलीफोन प्रभार इत्यादि	9278	13626
vii. कर्मचारियों को जीपीएफ अभिदान पर ब्याज	..	..
viii मंत्रालय को देय एफडीआर पर ब्याज	..	1042825
ix रखरखाव व्यय	..	..
x विधि व्यय	..	..
xi आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	175000	175000
कुल - क	**7917115**	**14654216**
ख. प्रावधान		
कराधान		
उपदान	..	..
संचित छुट्टी नकदीकरण	..	..
अधिवार्षिता पेंशन	..	..
कुल - ख	..	..
कुल (क + ख)	**7917115**	**14654216**

सालार जंग संग्रहालय

दि.31 मार्च 2019 को नियत परिसंपत्तियां और चल रहे कार्य

(राशि रु.में)

अनुसूची 8 नियत परिसंपत्तियां — परिसंपत्ति का नाम	सकल ब्लाक — वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	सकल ब्लाक — वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	सकल ब्लाक — वर्ष के दौरान कटौतियां	सकल ब्लाक — वर्ष के अंत में कीमत/ मूल्यांकन	मूल्य-ह्रास की दर %)	मूल्यह्रास — वर्ष के आरंभ में	मूल्यह्रास — वर्ष के लिए	मूल्यह्रास — वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौतियां	मूल्यह्रास — वर्ष के अंत तक कुल	निवल ब्लाक — चालू वर्ष के अंत तक	निवल ब्लाक — पिछले वर्ष के अंत तक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 भूमि	1795603			1795603						1795603	1795603
2 भवन											
- संग्रहालय	399066627	56693387	..	455760014	1.63	68046346	6966837	..	75013183	380746831	331020281
- अग्नीशमन	3814651	..	..	3814651	1.63	528520	62179	..	590699	3223952	3286131
- मौजुदा भवन विकास		6209340	..	6209340	1.63	..	50606	..	50606	6158734	..
3 यंत्र, संयंत्र और उपस्कर											
- डीज़ल जनरेटर व ए सी प्लांट	7847485	..	..	7847485	7.07	4199807	554817	..	4754624	3092861	3647678
- संयत्र उपस्कर व औजार	7433024	..	..	7433024	4.75	3490609	353069	..	3843678	3589346	3942415
- फायर हाईड्रंट / अलार्म	38217985	864207	..	39082192	7.07	19299276	2732561	..	22031837	17050355	18918709
4 वाहन	1749389	56081	..	1805470	9.50	1336268	168856	..	1505124	300346	413121
5 फर्नीचर व फिक्सचर	15845671	664859	..	16510530	6.33	12255131	1024074	..	13279205	3231325	3590540
6 शोकेस व वॉल पैनलिंग	2315543	..	..	2315543	9.50	2315543	..	..	2315543	..	..
7 दीर्घाओं का पुनर्गठन	101838187	8715620	..	110553807	9.50	100526598	1725581	..	102252179	8301628	1311589
8 फाल्स सीलिंग	11584412	..	..	11584412	6.33	3566132	733293	..	4299425	7284987	8018280
9 डिसप्ले ऑफिस	378220	..	..	378220	6.33	378220	..	..	378220	..	..
10 **विद्युत व अन्य उपस्कर**											
- विद्युत व कार्यालय उपस्कर	31558480	1545892	..	33104372	4.75	14263265	1535743	..	15799008	17305364	17295215
- फोटोग्राफी उपस्कर	2164067	..	..	2164067	4.75	1163768	102793	..	1266561	897506	1000299
- डिजिटलैजेशन व प्रलेखीकरण	942318	..	..	942318	4.75	22380	44760	..	67140	875178	919938
- रसायनिक प्रयोगशाला उपस्कर	6546219	236275	..	6782494	4.75	1497393	316557	..	1813950	4968544	5048826
- सुरक्षा उपस्कर	25526913	..	..	25526913	4.75	13304395	1212528	..	14516923	11009990	12222518
- सामूहिक शिक्षा	2798135	..	..	2798135	4.75	1855042	132911	..	1987953	810182	943093
- जन संबोधन प्रणाली	8877881	57460	..	8935341	4.75	2919412	423064	..	3342476	5592865	5958469
- टाइपराइटर्स	139873	..	..	139873	4.75	119592	6644	..	126236	13637	20281
- कैलकुलेटर्स	20526	..	..	20526	4.75	16695	975	..	17670	2856	3831
11 कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	4515219	52550	..	4567769	16.21	4326467	193011	..	4519478	48291	188752
कुल अग्रानीत	**674976428**	**75095671**	**..**	**750072099**		**255430859**	**18340859**	**..**	**273771718**	**476300381**	**419545569**

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
कुल अग्रानीत	**674976428**	**75095671**		**750072099**		**255430859**	**18340859**	..	**273771718**	**476300381**	**419545569**
12 विद्युत प्रतिष्ठान											
- दीर्घाओं का वातानुकूलन	21269029			21269029	4.75	11711842	1010279	..	12722121	8546908	9557187
- सोलार पॉवर प्लांट	30565917	2529036		33094953	7.07	4419279	2250412	..	6669691	26425262	26146638
- सोलार पॉवर प्लांट (सहायता प्राप्त)	9800330	1482300		11282630	7.07	346442	745283		1091725	10190905	9453888
- सीसीटीवी उपस्कर	76504578	228063		76732641	7.07	40791524	5416936	..	46208460	30524181	35713054
13 पुस्तकालय के पुस्तक	10395722	269835		10665557	..			..		10665557	10395722
14 कलाकृतियों की कीमत	3251008			3251008	..			..		3251008	3251008
15 पांडुलिपियां व माइक्रोफिल्म	2342154			2342154	..			..		2342154	2342154
16 अन्य नियत परिसंपत्तियां											
- साइकल स्टैंड	40506			40506	3.34	24354	1353	..	25707	14799	16152
- इंडेक्स कैबिनेट	3569279			3569279	9.50	3569279	..	..	3569279	..	..
- अल्युमिनियम पार्टिशन	454707			454707	6.33	418397	28783	..	447180	7527	36310
- पानी का फव्वारा	302220			302220	3.34	176391	10094	..	186485	115735	125829
- शेड	..	341040		341040	3.34	..	5696	..	5696	335344	..
17 . भंडार का आधुनिकीकरण	8777224			8777224	9.50	8777224	..	..	8777224	..	..
कुल (क)	**842249102**	**79945945**	..	**922195047**		**325665591**	**27809695**	..	**353475286**	**568719761**	**516583511**
पिछले वर्ष के आंकडे	816953448	25295654	..	842249102		293468015	32197576		325665591	516583511	523485433
(ख) पूंजीगत चल रहे कार्य											
क) भवन कार्य											
- पूर्वी ब्लॉक	30502103	..	30502103	..							
- क्लॉक रूम	23506163	2685121	26191284	..							
- जन सुविधाएं(फर्नीचर आदि)	623359		623359	..							
- मौजुदा भवन विकास	5025541	1183799	6209340	..							
- परस्पर संवाद गतिविधी केंद्र	..	5166525		5166525							
- कुल (क)	**59657166**	**9035445**	**63526086**	**5166525**						**5166525**	**59657166**
ख) दीर्घाओं का पुनर्गठन	19803335	10271652	8715620	21359367						21359367	19803335
ग) अन्य मदें		3692903	3692903	..							
घ) फाल्स सीलिंग	2200000	...		2200000						2200000	2200000
च) दीर्घाओं का वातानुकूलन	8000000	...		8000000						8000000	8000000
कुल - (ख)	**89660501**	**23000000**	**75934609**	**36725892**						**36725892**	**89660501**
कुल (क + ख)	**931909603**			**958920939**		**325665591**	**27809695**		**353475286**	**605445653**	**606244012**

1) मंत्रालय द्वारा वर्ष के दौरान जारी किए गए सीसीए फंड से किए गए पूंजीगत व्यय को शुरु में (बी) डब्ल्यूआईपी में परिवर्द्धन के तहत दिखाया गया है और संपूर्ण वस्तुओं को संबंधित श्रेणियों में घटाया और जोडा गया है. Capital expenditure incurred from CCA funds released by the Ministry during the year is initially shown under 'additions' at (B) WIP, & Completed items are deducted & added to the respective categories of assets.

2) रु 8715620 में पूरी की जाने वाली गैलरी में दक्षिण भारतीय माइनर कला (रु 4461810), बाल दीर्घा (रु 261805), एलईडी लाईटिंग (रु 872614), मार्बल गीर्घा (रु 1244890) और विविध कार्य (रु 1874501) शामिल है.

3) TSREDCO द्वारा स्थापित सोलार पॉवर प्लांट (60KWp) वर्ष के दौरान @ रु 40,11,336 पूंजी रु 20,00,000 की अग्रिम राशि (अनु -11) के समायोजन और सब्सिडी राशि रु 14,82,300 के लिए एमएनआरई (अनु 2) द्वारा भुगतान शामिल है.

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2019 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 9 - चिह्नित/धर्मदाय निधियों से निवेश	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर व बांड	-	-
5. सहायक व संयुक्त प्रयास	-	-
6. अन्य - राष्ट्रीयकृत बैंकों में आवधिक जमा		225952

धर्मदाय निधि	एफडी के नवीकृत मूल्य	पिछली नवीकृत तारीख	ब्याज दर (प्रतिशत) %	31.03.2019 तक उपार्जित ब्याज	वर्ष के अंत तक
1 सालार जंग संग्रहालय स्वर्ण निधि	85425	5.3.2017	6.5	11517	96942
2 एनआरआई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	75204	1.9.2016	7	13586	88790
3 (स्वर्गीय) श्री सुब्बा रामी रेड्डी व राजम्मा छात्रवृत्ति	47707	5.3.2017	6.5	6431	54138
	208336			31534	239870

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 – निवेश - अन्य	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 सरकारी प्रतिभूतियों में		
2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3 शेयर		
4 डिबेंचर व बांड		
5 सहायक व संयुक्त प्रयास		
6 - अन्य (उल्लेख किया जाए)		
कुल	-	-

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 - क रद्दी परिसंपत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
रद्दी परिसंपत्ति	-	-
कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2019 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 11 - चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 वस्तु सूची:		
क) भंडार व पुर्जें	..	..
ख) ख़ुले औज़ार	..	..
ग) स्टाक – इन-ट्रेड	..	..
i) तैयार माल	..	..
ii) चालू काम	..	..
iii) कच्चा माल	..	..
प्रकाशन व कैसेटों का अंतिम माल (अनु.19 देखें)	739061	757174
2 विविध ऋणी		
क) छ: महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	..	..
ख) अन्य	..	..
3 हथगत में शेष राशि (कैश बैलेन्स इन हैंड)	217002	126040
(चेक / ड्राफ्ट व अग्रदाय सहित)		
4 बैंक बैलेन्स:		
क) अनुसूचित बैंकों में:		
i) चालू खाते में	10174762	3168605
ii) जमा खाते में (एफडी)	..	15000000
iii) बचत खाते में	..	..
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में		
i) चालू खाते में	..	..
ii) जमा खाते में	..	..
iii) बचत खाते में	..	..
5 डाक घर-बचत खाता	..	..
कुल - क	**11130825**	**19051819**
ख. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्ति		
1 ऋण		
क) कर्मचारी अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	2589260	2219064
ख) एलटीसी / यात्रा भत्ता अग्रिम लंबित अंतिम निपटारा	..	..
ग) अन्य सत्ताएं जो □ समरूप गतिविधियों/प्रयोजनों में व्यस्त हों	..	..
घ) अन्य (उल्लेख करें)	..	..
2 नकद या उपाहार या मूल्य के लिए प्राप्य वसूलीय अग्रिम और अन्य रकम		
क) पूंजीगत खाते पर	..	2000000
ख) पूर्व भुगतान (वार्षिक अनुरक्षण ठेका)	23161	11636
ग) अन्य जमा व अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	4213858	4213858
घ) बैंक गारंटी के लिए भारतीय स्टेट बैंक में जमा	..	300000
च) साईकल स्टैंड ठेकेदार (पट्टे का किराया)	..	..
छ) एचएचईसी से किराया - विद्युत प्रभार	93077	69183
ज) टीएसटीडीसी - कैफेटेरिया किराया कमीशन, विद्युत और जल प्रभार	209062	258983
झ) शॉप/ओटीएम/टीएसटीडीसी काउंटर (किराया, विद्युत प्रभार)	146480	28381
ट) अन्य देय - (एलएस और पीसी - श्रीमती केदारेश्वरी)	298456	298456
3 उपार्जित आय लेकिन देय नही :		
क) चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर	..	..
ख) निवेशों पर- अन्य (सामान्य भविष्य निधि लेखे पर)	..	3679020
ग) ऋण और अग्रिमों पर	..	..
घ) अन्य (एफडीआर पर ब्याज)	..	..
4 प्राप्य दावे - प्रकाशनों की लागत	..	100386
5 प्राप्य बिल	..	..
कुल (ख)	**7573354**	**13178967**
कुल चालू परिसंपत्तियां (क + ख)	**18704179**	**32230786**

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2018 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 12 - बिक्री/सेवा से आय			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	**बिक्री से आय**			
	क.	तैयार माल की बिक्री		...
	ख.	कच्चे माल की बिक्री		...
		स्कैप की बिक्री	377200	7272
2	**सेवाओं से आय**			
	क.	मज़दूरी व प्रक्रिया किए जाने का प्रभार		
	ख.	व्यावसायिक/परामर्श सेवा		
	ग.	एजन्सी कमीशन व ब्रोकरेज		
	घ	रखरखाव सेवाएं (उपस्कर/परिसंपत्ति)		
	च.	अन्य (उल्लेख करें)		
3	**प्रवेश टिकटों की बिक्री**		30973840	28581430
	कुल		**31351040**	**28588702**

(राशि रु.में)

अनुसूची 13 - प्राप्त अनुदान/ सहायक अनुदान	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1) केंद्र सरकार - वर्ष के दौरान				
क i) एच.31 - सामान्य (केऔसुब तथा संग्रहालय अनुरक्षण)	125000000		111543000	
ii) एच.35 - परिसंपत्तियों के लिए पूंजीगत अभिदान(सीसीए)	23000000		14585000	
iii) एच.36 - वेतन	121180000		98346000	
iv) एच.96.33 - स्वच्छ भारत	300000		..	
कुल- क		**269480000**		**224474000**
ख घटाएं: खर्च न किए गए अनुदान				
i) सामान्य		..		
ii) परिसंपत्तियों के लिए पूंजीगत अभिदान		..	2000000	
iii) वेतन		..	5125619	
iv) स्वच्छ भारत		..		
कुल - ख				**7125619**
ग वर्ष के दौरान खर्च किया गया कुल अनुदान (क - ख)		269480000		217348381
2 राज्य सरकार		..		..
3 सरकारी एजेंसियां		..		..
4 संस्थानें / कल्याण निकाय		..		..
5 अंतर्राष्ट्रीय संगठन		..		..
6 अन्य (उल्लेख करें)		..		..
कुल		**269480000**		**217348381**

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2019 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 14 -शुल्क / अभिदान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक शुल्क/अभिदान	-	-
3) संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	-	-
4) परामर्श शुल्क	-	-
5) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रु.में)

अनुसूची 15 -(निधि से अंतरित चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर आय)	चिह्नित निधि से निवेश		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 **ब्याज**				
क) : सरकारी प्रतिभूति पर	-	-	-	-
ख) : अन्य बांड और डिबेंचर	-	-	-	-
ग) : आवधिक जमा	13918	17616	-	-
2 **लाभांश (डिविडेंड)**	-	-	-	-
क) : शेयर पर	-	-	-	-
ख) : म्युचुअल निधि प्रतिभूति पर	-	-	-	-
3 **किराया**	-	-	-	-
4 **अन्य**	-	-	-	-
कुल	**13918**	**17616**	**-**	**-**
चिह्नित/धर्मदाय निधि में अंतरित (अनुसूची 3 और 9 देखें)	**13918**	**17616**	**-**	**-**

(राशि रु.में)

अनुसूची 16 - रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय,	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) रॉयल्टी से आय	-	-
ख) प्रकाशनों से आय	289	330478
ग) अन्य (स्पष्ट करें)		
कुल	**289**	**330478**

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2019 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) **समयावधि निवेश (टर्म डिपाजिट) पर :**		
क) अनुसूचित बैंकों से	195483	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
ग) संस्थानों से	-	-
घ) अन्य	-	-
2) **बचत लेखा पर ;**	-	-
क) अनुसूचित बैंकों से	1324276	142866
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
ग) डाक घर बचत लेखा	-	-
घ) अन्य	-	-
3) **ऋण पर :**	-	-
क) कर्मचारी	1110400	686349
ख) अन्य	-	-
4) **देनदार तथा अन्य प्राप्य के ब्याज**	490551	-
कुल	**3120710**	**829215**

(राशि रु.में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 बिक्री /परिसंपत्तियों के निपटारे से प्राप्त लाभ:		
क) निजी परिसंपत्तियां		..
ख) अनुदान या मुफ्त में अर्जित परिसंपत्तियां		..
2 वसूले गए निर्यात उद्दीपक		..
3 विविध सेवाओं का शुल्क		..
4 विविध आय		
क) सैकल स्टैंड का पट्टा किराया	1500000	1675691
ख) टीएसटीडीसी रेटोरेंट किराया, कमीशन आदि	777864	342118
ग) एचएचईसी से प्राप्त किराया	714000	720000
घ) एटीएम सेंटर के लिऐ एसबीआई से प्राप्त किराया	195000	..
च) टीएसटीडीसी सूचना केंद्र से प्राप्त किराया	25560	..
छ) शॉप, प्रेक्षागृह से प्राप्त किराया	784997	607602
ज) तोलन मशीन से प्राप्तियां	..	81240
झ) फुटकर प्राप्तियां	211267	295764
ट) छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान	..	..
कुल	**4208688**	**3722415**

(राशि रु.में)

अनुसूची 18क -नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	0	0
कुल	**0**	**0**

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 19 - तैयार माल के स्टाक में वृद्धि/कमी तथा चल रहे कार्य	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
a) इति स्टाक	739061	757174
- तैयार माल	-	-
चल रहे कार्य	-	-
aI) घटाएं : अथ स्टाक	757174	925398
- तैयार माल	-	-
चल रहे कार्य	-	-
निवल वृद्धि (+) / कमी (-)	**(-)18113**	**(-)168224**

(राशि रु.में)

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) वेतन तथा मज़दूरी	69393264	77924894
ii) महंगाई भत्ता	176360	217890
कुल (i + ii)	**69569624**	**78142784**
ख) नई पेंशन योजना में जमा की गई राशि	906565	1024071
ग) बोनस	..	..
घ) भविष्य निधि के लिए अंशदान	..	..
च) कर्मचारी कल्याण व्यय	..	..
छ) कर्मचारी सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभ	15848396	21569650
ज) पेंशन / परिवार पेंशन भुगतान	47520697	27632374
झ) शिक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति	1039782	786834
ट) समयोपरि भत्ता	5888	13248
ठ) यात्रा भत्ता	..	94837
ड) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	2004091	1564368
ढ) छुट्टी यात्रा रियायत	198640	502801
ण) छुट्टी का नकदीकरण	306259	212122
त) मानदेय	..	..
थ) सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज	..	2219578
द) छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान (ज़ेडएओ, सीबीडीटी)	165831	810180
ध) पेंशनभोगियों को चिकित्सा बीमा	189250	233163
कुल	**137755023**	**134806010**

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 21- अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क श्रम तथा संसाधन व्यय / दैनिक मज़दूरी	..	..
ख ढुलाई तथा परिवहन आवक	..	..
ग बिजली तथा पॉवर	7671792	6945668
घ जल प्रभार	3485675	5480242
च बीमा		
छ **मरम्मत तथा रखरखाव (मजदूरी आदि)**		
i भवन & बगीचे	7029396	4964958
ii विध्युत, जेनरेटर & ए.सी. संयंत्र	5516681	4781828
iii दीर्घाएं	..	..
iv डिजिटाईजेशन और फोटो सेक्शन	1774905	1835994
v सांस्कृतिक व सामूहिक शिक्षा	1613581	2471815
vi रसायनिक संरक्षण व परिरक्षण	599281	997725
vii ुस्तकालय	1055308	1008434
viii पांडुलिपि अनुभाग	644013	773464
ix कार्यालय उपकरण	12387004	11434942
x सुरक्षा प्रणाली और उपकरण	5798426	3877628
ज उत्पाद शुल्क	..	..
झ कराया,दर तथा कर	1915893	1820098
ट वाहन,चालन तथा रख-रखाव व्यय	441000	..
ठ ड़ाक, टेलीफोन तथा संचार प्रभार	262130	366392
ड टिकटों का मुद्रण तथा लेखन सामग्री व फार्म	970668	852760
ढ यात्रा तथा परिवहन व्यय	382003	..
ण संगोष्ठी / कार्यशालाओं पर व्यय	..	..
त अभिदान	..	..
थ शुल्क	..	..
द लेखा परीक्षकों का पारिश्रामिक (एजी)	..	..
ध आतिथ्य व्यय	..	..
न व्यायसायिक प्रभार (आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क)	442500	407750
प अशोध्य तथा संदिग्ध ऋण / अग्रिमों के लिए प्रावधान	..	..
फ अप्राप्य शेष को बट्टे खाते में डालना	..	..
ब पैकिंग प्रभार	..	..
भ मालभाड़ा तथा अग्रेषण व्यय	..	..
म वितरण व्यय	..	..
य विज्ञापन तथा प्रचार-प्रसार	..	..
र अन्य (स्प्ट करें)	..	..
वर्दी	344769	..
कानूनी व्यय	114890	50180
बैंक प्रभार	7660	22110
सैनिटेशन / स्वच्छ भारत	300000	284501
क्षमता निर्माण	..	174260
सूची पत्र, प्रतिकृतियां व पुस्तिकाएं	..	..
विविध व्यय	..	..
कुल	**52757575**	**48550749**

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 21-क - केंऔसुब के भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 वेतन एवं भत्ते	102031086	92655324
2 चिकित्सा व्यय	1778164	1840890
3 अन्य व्यय (के.औ सु ब उपकरण का अनुरक्षण)	850576	1020910
कुल	**104659826**	**95517124**

(राशि रु.में)

अनुसूची 21-ख - पूर्व अवधि समायोजन	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	Receipt	Expenditure	Receipt	Expenditure
1 एनपीएस (श्री चिट्टीबाबु) से प्राप्त राशि	572138			
2 पिछले वर्षों से संबंधित एटीएम किराया	707778			
3 जीपीएफ लेखा पर उपार्जित ब्याज और देय का प्रतिलेखन		3679020		
कुल	1279916	3679020		
शुद्ध समायोजन (प्राप्तियों पर अतिरिक्त व्यय)	2399104			
पूंजीगत व्यय के अवर्गीकरण में सुधार				265500
कुल (शुद्ध व्यय)	**2399104**			**265500**

(राशि रु.में)

अनुसूची 22 - अनुदान , अभिदान आदि पर व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) संस्थान / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थान / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	**-**	**-**

नोट- हस्तियों के नाम, उनकी गतिविधियां अनुदान/अभिदान की राशि सहित, विवरण दिया जाए

(राशि रु.में)

अनुसूची 23 - ब्याज भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 नियत जमा पर	-	-
2 अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
3 अन्य - मंत्रालय को देय एफडी पर अर्जित ब्याज	-	-
कुल	**-**	**-**

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए लेखाओं की अनुसूची

अनुसूची - 24

लेखाकरण की महत्वपूर्ण नीतियां :

1. सालार जंग संग्रहालय के लेखों का रख-रखाव सालार जंग संग्रहालय अधिनियम 1961 की धारा 21 के अनुसार तथा वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा निर्धारित फार्म में किया जा रहा है. लेखों को प्रोद्भूत आधार पर तैयार किया जाता है तथा भारत के नियंत्रक व महालेखाकार के साथ परामर्श से केंद्र सरकार के द्वारा समय-समय पर जारी निदेशों के अनुरूप किया जाता है. ऐतिहासिक परंपरा लागत के आधार पर वित्तीय विवरणियां तैयार किए जाते हैं.

2. **भारत सरकार से अनुदानों की मान्यता :-**

   अनुदानों को उनकी उपयोगिता/ स्वीकृति के आधार पर राजस्व अनुदान तथा पूंजीगत अनुदान के रूप में मान्यता दी जाती है. जीएफआर के अंतर्गत प्रावधानों के अनुसार वर्ष के लिए पूंजीगत और राजस्व पर व्यय प्राप्ति और भुगतान लेखा में अलग से दर्शाया गया है. अनुदान का लेखाकरण वास्तविक आधार पर किया गया है.

3. **नियत परिसंपत्तियां :-**

   नियत परिसंपत्तियों का मूल्यांकन सभी प्रासंगिक और अधिप्राप्ति संबंधी अन्य सीधे व्यय को सम्मिलित कर, अधिप्राप्ति के लागत पर किया गया है.

4. **मूल्यह्रास :-**

   क) वर्ष 1981-82 से 1999-2000 तक के लिए अनुदान निधि से अधिगृहित परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास का मूल्यांकन नहीं किया गया क्योंकि संग्रहालय एक गैर-वाणिज्यिक संस्था है जिसे केंद्रीय सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त होते हैं तथा परिसंपत्तियों का प्रतिस्थापन भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली नए अनुदान से ही किया जा सकता है. तथापि, मंत्रालय (भारत सरकार) की सूचना के अनुसार कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV के **सीधे लाइन पद्धति** के अंतर्गत निर्धारित दरों पर लेखा वर्ष 2000-01 से संग्रहालय की परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास उपलब्ध कराया गया है.

   ख) संग्रहालय द्वारा संग्रहित पुस्तकालय की पुस्तकें, पांडुलिपियां, कलाकृतियां, तथा माइक्रोफिल्में आदि और संग्रहालय द्वारा खरीदी गई कलाकृतियों को छोडकर सभी परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास किया जा रहा है.

5. **कलाकृतियों का मूल्य :-**

   उच्च न्यायालय, आंध्र प्रदेश द्वारा सालार जंग इस्टेट से लिए गए कलाकृतियां, सामान व जुड़नार, पुस्तकें , पांडुलिपियां आदि का मूल्य ज्ञात न होने के कारण तुलन-पत्र में उन्हें नहीं दिखाया गया. तथापि, कालांतर में प्राप्त किए गए कलाकृतियों का मूल्य लागत में दिखाया गया है.

6. संग्रहालय के कर्मचारियों के उपदान, छुट्टी नकदीकरण पर व्यय के लिए बही खाते में कोई प्रावधान नहीं किया गया. तथापि इसे नकद आधार पर लेखे में दर्शाया गया.

7. संग्रहालय के कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि लेखा अलग से बनाया रखा जा रहा है तथा इसकी सूची निम्नानुसार है.

अनुसूची – 24 क

लेखों पर टिप्पणी :

1. **अनुदानों का पुनर्वैधीकरण :**

चालू वर्ष के लिए भारत सरकार द्वारा पुनर्वैधीकरण के लिए,प्रस्तावित खर्च नहीं की गई राशि कुछ नहीं है.

2. **मूल्यह्रास :**

स्थापना के बाद से लगातार चली आ रही नीति के रूप में, चालू वर्ष के दौरान जोड़े गए पर मूल्यह्रास छ:महीनों के लिए उपलब्ध कराया गया.

3. **भूमी :**

संग्रहालय को दान में दी गई जमीन के मूल्य 8,51,700 रु को तुलन पत्र की अनुसूची- 8 (नियत परिसंपत्तियां) के अंतर्गत दर्शाया गया है 'भूमि' शीर्ष के अंतर्गत दर्शाइ गई 17,95,603/- रु की राशि में संग्रहालय द्वारा खरीदी गयी जमीन अधिमापन 10 एकर और 62 गुंटे का मूल्य 9,43,903/- रु शामिल है.

4. **नई पेंशन योजना से संबंधित निधि :**

i) भारत सरकार ने स्वायत्त निकायों को दिनांक 30.01.2009 के पत्र सं. 1(13) /ईवी/2008 के अंतर्गत जारी किए गए अनुदेशों के प्रतिक्रिया में, सालार जंग संग्रहालय ने दिनांक 06.04.2009 के पत्र सं. एसजेएम /स्थापना/ एनपीएस/ 2009-75 के अंतर्गत नई पेंशन अंशदायी योजना में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है और इसे 2009-10 से कार्यान्वित किया जा रहा है.

ii) चालू वर्ष के दौरान नई पेंशन योजना में कर्मचारियों से वसूल की गई राशि रु 9,06,565/-और संग्रहालय द्वारा समान रूप से अभिदान के साथ पेंशन नियामक प्राधिकरण के पास जमा की गई है.

5. **सोलार पॉवर प्लांट :**

क) संग्रहालय द्वारा क्रमशः वर्ष 2017-18 और 2018-19 में स्थापित i) 600 किवॉ और ii) 60 किवॉ सोलार पॉवर प्लांट को कंपनी अधिनियम 1956 के मूल्यह्रास के अंतर्गत विद्युत उपकरण के रूप में वर्गीकृत किया गया है.

ख) गैर-नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), भारत सरकार ने सोलार पॉवर प्लांट के लिए सहायकी के रूप में (सोलार पॉवर प्लांट के प्रॉजेक्ट लागत की 30% राशि) वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिए क्रमशः 500 किवॉ के लिए 98,00,330/- रु. और 100 किवॉ के लिए 14,82,300/- रु को संबंधित वर्षों में "पूंजी आरक्षित" के रूप में माना गया है. (अनुसूची-2 देखें) और आरक्षित लेखे को वर्ष के दौरान प्रभारित मूल्यह्रास की राशि (7.07% पर) के अनुरूप आय और व्यय लेखे में स्थानांतरित करके समायोजित किया गया है.

6. चिह्नित / धर्मदाय निधि पर ब्याज प्रोद्‌भूत को संबंधित निधि लेखा में अंतरित किया गया है.

7. संस्कृतिक मंत्रालय, (भारत सरकार) द्वारा जारी अनुदेशों के अनुसार, आवधि जमा पर अर्जित ब्याज भारत सरकार को देय है. वर्ष के दौरान आवधि जमा पर प्राप्त रु 15,19,759 की ब्याज राशि को राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया है.

8. जहां कहीं आवश्यकता हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुन: समूहबद्ध, पुन:व्यवस्थित तथा पुन:वर्गीकृत किया गया है.

9. आंकड़ों को निकटतम रुपयों में पूर्णांकित कर दर्शाया गया है.

सालार जंग संग्रहालय
31.मार्च, 2019 को समाप्त अवधि के लिए लेखाओं की अनुसूची

अनुसूची - 25

आकस्मिक देयताएं

1. संग्रहालय के विरुद्ध ऋण के रूप में न माने गए दावें

मेसर्स डीजाइन टीम, संग्रहालय के वास्तुशिल्पी ने नए भवन के निर्माण के अतिरिक्त लागत पर अपने शुल्क के रूप में संग्रहालय से 12.86 लाख रु अधिक शुल्क की मांग की है. मध्यस्थ को जिसे पहले यह मामला सौंपा गया था उसने वास्तुशिल्पी को 18.11 लाख रुपए दिए जाने के लिए कहा था. बाद में इसे उच्च न्यायालय, नई दिल्ली में विवाद मामले के विरुध्द याचिका दायर किया गया तथा न्यायालय के अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा की जा रही है.

संग्रहालय के 2 नए भवनों के निर्माण का सिविल ठेकेदार, मेसर्स एन.बी.सी.सी ने देय शेष राशि के रूप में 200.00 लाख रु का दावा किया है. मामला न्यायाधीन है.

मेसर्स सॉलमन राजु तथा अन्य ने ठेकेदार द्वारा नियुक्त मज़दूर की मृत्यु के लिए संग्रहालय से 3.80 लाख रु के प्रतिपूर्ति की मांग की. मामला न्यायाधीन है.

		चालू वर्ष ₹	पिछला वर्ष ₹
2.	**आकस्मिक देयताओं के रूप में माने गए अन्य दावों का विवरण**		
क)	1991-94 (3 वर्ष) के लिए नगरपालिका कर	7,17,501	7,17,501
ख)	संग्रहालय की ओर से बैंक द्वारा खोले गए ऋण पत्र		
ग)	बैंक से रियायत प्राप्त बिल	कुछ नहीं	कुछ नहीं
घ)	आय कर / बिक्री कर के संबंध में विवादित मांगे		
च)	आदेशों के अनुपालन न करने के लिए पार्टियों द्वारा किए गए दावें लेकिन संग्रहालय द्वारा इसका समर्थन नही किया गया.		
3.	**पूंजी दायित्व**		
	पूंजी लेखा पर पूरा किए जानेवाले ठेकाओं को प्राक्कलित मूल्य जिनका प्रावधान नहीं किया गया तथा उसके लिए उपलब्ध नही किया गया.	कुछ नहीं	कुछ नहीं
4.	**पट्टे के दायित्व**		
	संयंत्र व मशीनरी के लिए वित्त पट्टा व्यवस्था के अंतर्गत आगे और किराये के दायित्व	कुछ नहीं	कुछ नहीं

5. विदेशी मुद्रा का लेन-देन

	चालू वर्ष /	पिछला वर्ष
क) सीआईएफ आधार पर आयातों के मूल्य की गणना :		
- तैयार माल की खरीदी		
- कच्चा माल & संघटक (पारगमन सहित)		
- पूंजी माल	कुछ नहीं	कुछ नहीं
- भंडार, पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तु		
ख) विदेशी मुद्रा में व्यय :		
- यात्रा		
- विदेशी मुद्रा में वित्तीय संस्थान / बैंको को दी गई धनवापसी तथा ब्याज		
- बिक्री पर कमीशन	कुछ नहीं	कुछ नहीं
- कानूनी तथा व्यायसायिक व्यय		
- विविध व्यय		
ग) अर्जन - एफओबी के आधार पर निर्यात का मूल्य		

6. लेखा परीक्षकों के लिए पारिश्रमिक :

- लेखा परीक्षकों के रूप में		
- कराधान विषय		
- प्रबंधन सेवाओं के लिए	कुछ नहीं	कुछ नहीं
- प्रमाणीकरण के लिए		
- अन्य		

1 से 25 तक के अनुसूचियों को अनुलग्नक बना कर 31.03.2019 के तुलन-पत्र का अभिन्न अंग बना दिया गया, तथा उस तारीख को आय तथा व्यय लेखा समाप्त हुई है.

सालार जंग संग्रहालय
अनुसूची 11(ख), 7 का अनुलग्नक (2018-2019)

(राशि रु.में)

अनुसूची 11(ख) - ऋण, अग्रिम तथा परिसंपत्तियां
1. बाहरी व्यक्तियों के पास अन्य जमा तथा अग्रिम

विवरण	31-3-2019 को	31.3.2018 को
(क) 1 बल्दिया पेट्रोल सप्लाई, हैदराबाद.	5000	5000
2 कार केर सेंटर, हैदराबाद	3000	3000
3 जूबिली डाक कार्यालय, हैदराबाद	1265	1265
4 दृश्य श्रव्य प्रचार निदेशक, नई दिल्ली	46646	46646
5 तेलंगाना राज्य विद्युत विभाग में प्रतिभूमि जमा		
क) एल.टी.कनेक्शन		
ख) कर्मचारी क्वार्टर		
ग) एच.टी. कनेक्शन		
घ) अतिरिक्त प्रतिभूमि जमा		
कुल (5)	2912847	2912847
6 सेल फोन जमा	9000	9000
7 विद्युत मीटर जमा	100	100
(ख) केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पास जमा	1236000	1236000
कुल (क + ख)	**4213858**	**4213858**

II. कर्मचारी अग्रिम (अनुसूची 11 ख)

विवरण		अथ शेष	भुगतान	वसूली	इति शेष
1	ग्रह निर्माण अग्रिम	1668226	1000000	449056	2219170
2	मोटर साईकिल अग्रिम	73992		34000	39992
3	मोटर कार अग्रिम	-			..
4	कंप्यूटर अग्रिम	471296		146748	324548
5	त्योहार अग्रिम	5550			5550
	कुल (अनुसूची - 11 ख)	**2219064**	**1000000**	**629804**	**2589260**

अनुसूची - 7 चालू देयता

विवरण	अथ शेष	प्राप्तियां	धन वापसी	इति शेष
बयाना राशि / प्रतिभूति जमा	**5674973**	**1252823**	**406012**	**6521784**

सालार जंग संग्रहालय

2018-19 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि - तुलन पत्र

(राशि रु.में)

पिछला वर्ष	देयताएं	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	परिसंपत्तियां	चालू वर्ष
32119549	वर्ष को समाप्त अभिदान (मार्च 2019 शामिल है)	29578990	30200000	टीडीआर में निवेश (अनु-1 देखें)	28800000
			649	बैंक प्रभार के रूप में सा.सं. बोर्ड से प्राप्य राशि	
488478	उपार्जित ब्याज	2926797	2407378	सामान्य भविष्य निधि नकद पुस्तिका के अनुसार इति शेष	3705787
32608027	**कुल**	**32505787**	**32608027**	**कुल**	**32505787**

वर्ष 2018-19 के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा

(राशि रु.में)

पिछला वर्ष	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष
1493963	अथ शेष	2407378	9209704	आहरण द्वारा (अनुसूची–IIदेखें)	16178736
10896577	अभिदान (अनुसूची–II देखें)	11065878	31700000	एफडीआर में निवेश	22800000
27400000	निवेशों से आहरण	24200000	649	बैंक प्रभार	649
819135	वर्ष 2017-18 के लिए सा.सं.बोर्ड से प्राप्त ब्याज	..	1897528	सालार जंग संग्रहालय बोर्ड को दत्त उपार्जित ब्याज	..
2219578	चालू वर्ष के लिए सा.सं.बोर्ड से प्राप्त ब्याज	..			
2386006	एफडीआर पर अर्जित ब्याज	5011916	2407378	इति शेष द्वारा	3705787
45215259	**कुल**	**42685172**	**45215259**	**कुल**	**42685172**

31.03.2019 को समाप्त सामान्य भविष्य निधि लेखा (ब्रॉडशीट के अनुसार)

(राशि रु.में)

पिछला वर्ष	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	विवरण	चालू वर्ष
28213098	अथ शेष	32119549	9209704	आहरण	16178736
10896577	वर्ष के लिए अभिदान और जीपीएफ अग्रीमों की धन वापसी	11065878	31226847	फरवरी 2019 तक अभिदान	28737771
			893702	मार्च 2019 के लिए अभिदान	841219
10896577	कुल अभिदान और धन वापसी	11065878	32119549	कुल अभिदान (ख)	29578990
2219578	उपार्जित ब्याज (अभिदान कर्ताओं के लेखे पर)	2572299			
41329253	**कुल**	**45757726**	**41329253**	**कुल**	**45757726**

सालार जंग संग्रहालय

अनुसूची - 1

2018-19 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि निवेश

क्रम सं.	एफडीआर सं.	निवेश करने की तारीख	अवधि	ब्याज दर प्रतिशत (%)	राशि रु.में
1	37478239633	18.1.2018	1463 days	6.00	5000000
2	37478240571	18.1.2018	1463 days	6.00	5000000
3	37478256751	18.1.2018	91 days	6.25	1000000
4	37646390106	11.4.2018	4 year	6.70	1800000
5	37734905876	4.6.2018	364 days	6.40	5000000
6	37734904566	4.6.2018	364 days	6.40	5000000
7	3710898099	11.7.2018	1 year	6.65	6000000
			कुल		**28800000**

अनुसूची - II

वर्ष 2018-19 के दौरान सामान्य भविष्य निधि - जमा तथा आहरण

(राशि रु.में)

माह व वर्ष		अभिदान और धन वापसी	आहरण
2018	अप्रैल	937,202	580,960
	मई	978,637	1,002,990
	जून	914,716	690,398
	जुलाई	944,749	289,990
	अगस्त	961,326	922,980
	सितंबर	959,995	169,976
	अक्तूबर	959,830	684,996
	नवंबर	960,868	1,358,633
	दिसंबर	928,560	784,951
2019	जनवरी	838,393	528,980
	फरवरी	840,383	286,962
	मार्च	841,219	8,876,920
	कुल	**11,065,878**	**16,178,736**

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद -500 004

सं.पीडीए(सी)/सीईए/यू.V/एसजेएम/एसएआर.2018-19//2019-20/ **दि.12.12.2019**

सेवा में,

सचिव,
भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय,
सी-विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली -110 001.

महोदय,

विषय:- सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2018-2019 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन.

* * *

सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2018-2019 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संबंद्ध अनुलग्नक तथा वर्ष 2018-2019 के लिए संस्थान के वार्षिक लेखा की एक प्रति के साथ संसद में प्रस्तुत करने के लिए अग्रेषित किया जाता है.

अनुरोध है कि संसद के दोनों सदनों में पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की तारीख सूचित की जाए.

इस पत्र के साथ संबंद्ध अनुलग्नक प्राप्त होने की पावती दी जाए.

भवदीय,

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता/-
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

सं.पीडीए(सी)/सीईए/यू.V/एसजेएम/एसएआर. 2018-19//2019-20/144 दि.12.12.2019

प्रतिलिपि :- निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, दारुल शिफा रोड, अफज़लगंज़, हैदराबाद-500 002, वर्ष 2018-2019 के लिए वार्षिक लेखा (अंग्रेजी पाठ) की प्रति के साथ अनुरोध है कि इस कार्यालय को अनुमोदित वार्षिक लेखा 2018-2019 की हिंदी पाठ (2 सेट) भिजवाने की व्यवस्था करे.

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता/-
निदेशक/कें.व्य.ले.प.

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के लेखा जोखा पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के संलग्न किए गए दि. 31 मार्च 2019 के तुलनपत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा की भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (ड्यूटी, शक्तियां व सेवा की शर्तें) सालार जंग संग्रहालय अधिनियम, 1961 की धारा 21(2) के साथ पठित अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अंतर्गत लेखा परीक्षा की है. यह वित्तीय विवरणियां संग्रहालय के प्रबंधन की जिम्मेदारी है. हमारी यह जिम्मेदारी है कि हमारी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणियों पर हम अपना मत व्यक्त करें.

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा वर्गीकरण, उत्कृष्ट लेखा करण अभ्यास एकाउंटिंग प्रैक्टिस, लेखा करण स्तर और प्रकटन मानदंड आदि के साथ पुष्टिकरण के संबंध में लेखा करण पध्दति पर टिप्पणियां. विधि, नियम व विनियमन (स्वामित्व और निरंतरता) और दक्षता एवं कार्यनिष्पादन पहलु आदि, यदि कोई हो, को निरीक्षण रिपोर्ट/ सीएजी के लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अलग से दिखाया जाए.

3. हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा के स्तर में हमारी लेखा परीक्षा आयोजित की है. इस स्तर को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम योजना बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि इन वित्तीय विवरणियों में कोई भी गलतियां नहीं हैं. लेखा परीक्षा का अर्थ है परीक्षण के आधार पर राशि के समर्थन में साक्ष्य और वित्तीय विवरणियो में प्रकटन की जांच करना, लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण आकलनों का निर्धारण तथा वित्तीय विवरणियों का समस्त प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल है. हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारा मत सिद्ध करने के लिए एक उचित आधार है.

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं कि:

   I. हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त की है, जो हमारी जानकारी के अनुसार हमारे लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए आवश्यक है.

   ii. इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलनपत्र और आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित फार्मेट के आधार पर आहरित किया गया है.

   iii. हमारा मत है कि लेखे के लिए आवश्यक उचित पुस्तकों और अन्य संबंधित रिकार्डों को सालार ज़ंग संग्रहालय द्वारा यथा आवश्यक अनुरक्षित किया गया है, जैसा कि हमारे द्वारा ऐसे पुस्तकों के किए गए परीक्षण से पता चलता है.

   iv. इसके अतिरिक्त हम यह सूचित करते हैं कि

क. सामान्य

1. महत्वपूर्ण लेखा नीति (अनुसूची-24) के क्रम सं.4 के अनुसार, संग्रहालय सीधी पद्धति पर कंपनी अधिनियम 1956 के अनुसूची-XIV के अंतर्गत निर्धारित दरों पर परिसंपत्तियों पर मूलयह्रास प्रदान करता है. आगे लेखा पर टिप्पणी (अनुसूची-24 क) के क्रम सं.2 के अनुसार, चालू वर्ष के दौरान अतिरिक्त पर मूलयह्रास आधे वर्ष के लिए दिया गया. जैसा कि कंपनी अधिनियम, 1956 में सूचीबद्ध मूल्यह्रास दरें अब अधिनियम, 2013 के अधिनियमों के साथ अस्तित्व में नहीं हैं, और जैसा कि संग्रहालय की नीति, खातों की एकसमान प्रारूप के तहत निर्धारित अवसाधन की नीति के अनुरूप नहीं है, तदनुसार जिस पर आयकर अधिनियम, 1961 द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार मूल्यह्रास वसूला जाना चाहिए, नीति को सुधारने की आवश्यक्ता है. इस मुद्दे को वर्ष 2017-18 के लिए भी एसएआर में उठाया गया था.

2. संग्रहालय द्वारा लेखा के एकरूपता प्रारूप में निर्धारित अनुसार सेवानिवृत्ति के लाभ का प्रावधान बीमांकक मुल्यांकन के अनुसार नहीं किया गया.

3. दीर्घाओं और आरक्षित वस्तुओं में प्रदर्शित कलाकृतियों के मूल्य और संख्या का खुलासा खातों में नहीं किया गया था.

4. जीपीएफ खातों के लिए आय और व्यय खाते तैयार नहीं किए गए हैं.

ख. सहायता अनुदान:

वर्ष के दौरान प्राप्त ₹ 27.10 करोड़ रुपये* अनुदान तथा ₹ 3.88 करोड़ रुपये आंतरिक प्राप्तियों और ₹ 1.08 करोड़ रुपये अत:शेष सहित कुल ₹ 32.02 करोड़ रुपये सहायता अनुदान प्राप्त हुआ, संग्रहालय ने 31 मार्च 2019 तक शेष कुछ नहीं छोडते हुए कुल ₹ 32.02 करोड़ रुपये** का अनुदान उपयोग किया.

ग. प्रबंधन का पत्र

कमियां जिन्हें पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया था, उसे, उस पर निवारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए अलग से प्रबंधन के पत्र के माध्यम से निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के सूचना में लाया गया.

v. इससे पूर्व पैरा में हमारी टिप्पणी के बावजूद हम यह सूचित करते हैं कि, इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलनपत्र और आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा बही खाते के करार के अनुसार है.

vi. हमारी राय में तथा हमारी जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखा नीतियों तथा लेखा पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जानेवाले उक्त विवरण, और ऊपर बताई गई महत्वपूर्ण बातें और इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य बातों से भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए जानेवाले लेखा सिद्धांतों का सही दृश्य प्रतीत होता है.

क. दि. 31 मार्च 2019 को सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के कार्य-कलाप के मामलों से संबंधित तुलनपत्र और

ख. उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए घाटे से संबंधित आय व खर्च लेखा.

हस्ता/-
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

---

* (i) योजना (सामान्य): ₹ 12.50 करोड (ii) योजना (पूंजीगत परिसंपत्तियां) : ₹ 2.30 करोड और (iii) गैर-योजना (वेतन तथा सामान्य): ₹ 12.12 करोड (iv) स्वच्छ भारत 3.00 लाख और (v) सोलार पॉवर प्लांट के लिए गैर नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) से सब्सिडी के रूप में प्राप्त ₹ 0.15 करोड

** (i) राजस्व खर्च : ₹ 29.52 करोड (ii) वर्ष के दौरान नियत परिसंपत्तियों के अधिग्रहण का खर्च: ₹ 2.50 करोड

अनुलग्नक

1. **आंतरिक लेखापरीक्षा पद्धति की पर्याप्तता :**

वर्ष 2018-19 के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद की आंतरिक लेखापरीक्षा भारतीय लोक लेखापरीक्षक संस्थान, हैदराबाद शाखा द्वारा की गई है.

2. **आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता :**

आंतरिक नियंत्रण पद्धति अपर्याप्त है क्योंकि –

(i) प्रत्येक बैंक खाते के लिए पृथक नकद पुस्तिका अनुरक्षित नहीं की गई है.

(ii) सालार जंग संग्रहालय संपत्ति से लिये गये कलाकृतियां, फर्नीचर तथा साज-सामान, पुस्तकें, पांडुलिपियां आदि पुस्तक में नहीं दर्शाए गए है और परिसंपत्ति में नहीं लिये गये है.

3. **नियत परिसंपत्ति की वास्तविक जांच की पद्धति :**

वर्ष 2018-19 के लिए नियत परिसंपत्ति की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई,

4. **वस्तुसूचियों की वास्तविक जांच की पद्धति :**

वर्ष 2018-19 के लिए वस्तुसूचियों की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई,

5. **संवैधानिक देयता के भुगतान में नियमितता :**

यह संगठन संवैधानिक देयता का नियमित रूप से भुगतान करता है.

हस्ता/-
निदेशक/कें.व्य.ले.प.

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेज़ी में लिखित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेज़ी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।